डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 110 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | रविवार 02 फरवरी 2025 | मूल्य 2 रूपया

हार्ट केयर
श्री सिद्धि विनायक
अब नियमित सेवाएं मंदसौर में उपलब्ध
हृदय रोगों के उपचार में अंचल का जाना पहचाना नाम
हृदय रोग विशेषज्ञ
डॉ. पवन मेहता
MBBS, M.D. (Medicine) I DM (Cardiology)
Consultant Interventional Cardiology
परामर्श समय -
प्रतिदिन प्रातः 10:00 से सायं 5:00 बजे तक
12, दशपुर कुंज रोड, सिविल हॉस्पिटल के सामने, मंदसौर (म.प्र.) 07422-490333

अज्ञात वाहन ने बाइक को मारी टक्कर, युवक की मौत

मनासा, 01 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। क्षेत्र में एक सडक हादसे में 21 वर्षीय युवक की मौत हो गई। मनासा थाना क्षेत्र के बरडिया जागीर और पिपलियारावजी गांव के बीच शुक्रवार रात यह हादसा हुआ। मृतक की पहचान सिटी थाना क्षेत्र के सावन गांव निवासी हरीश जाटव उम्र 21 वर्ष के रुप में हुई है। घटना के समय हरीश अपनी बाइक से मनासा से अपने गांव सावन लौट रहा था। इसी दौरान एक अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल हरीश को मौके पर मौजूद राहगीरों ने तुरंत एंबुलेंस की मदद से जिला चिकित्सालय पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अज्ञात वाहन और चालक की तलाश जारी हैं। शनिवार सुबह परिजनों की मौजूदगी में जिला अस्पताल में शव पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। अज्ञात वाहन और चालक की तलाश जारी है।

बजट में सोने-चांदी का विशेष सत्र

जनवरी में सोना पांच हजार से ज्यादा महंगा

मंदसौर, 01 फ़रवरी गुरु एक्सप्रेस। वैसे तो कमोडिटी मार्केट और सराफा बाजार शनिवार-रविवार को आराम करता है। लेकिन, बजट के कारण हॉफ डे का विशेष सत्र चालू रहा। हाजिर भाव में तो सोना-चांदी शनिवार को स्थित रहे। लेकिन कमोडिटी मार्केट में कुछ उम्रर नीचे का खेल चला और फिर शाम को उसी भाव पर आ गया। जनवरी माह की अगर बात की जाए तो स्टैंडर्ड सोना लगभग साढ़े पांच हजार रुपए प्रति दस ग्राम से ज्यादा ओर चांदी भी पांच हजार रुपए प्रति किलो तक महंगी हुई है। खास बात यह है कि महीने भर में सोने के दामों में चांदी से अधिक बढ़ोतरी हुई है।

नए साल के जनवरी माह में सोना-चांदी के दाम में लगातार तेजी का माहौल देखने को मिला है। बढ़ते दाम ने निवेशकों के चेहरे पर रौनक ला दी है। इस माह सोना में 5,200 रुपए प्रति दस ग्राम व चांदी में पांच हजार रुपए प्रति किलो की तेजी देखी गई है। इसमें बीते 10 दिनों में सोना 3500 रुपए प्रति दस ग्राम व चांदी 2100 रुपए प्रति किलो उछली। इस कारण सोना नई उंचाई पर पहुंच गया है। बजट के एक दिन पूर्व स्थानीय बाजार में सोना 84 हजार प्रति दस ग्राम व चांदी 94 हजार रुपए प्रति किलो बिक गई। वर्ष की शुरुआत में सोना 78,800 प्रति दस ग्राम व चांदी 88,800 प्रति किलो बिकी थी। जो लगातार गतिमान रहते हुए। जनवरी माह के अंतिम दिन में सोना 84, 000 रुपए प्रति दस ग्राम व चांदी 94,000 रुपए प्रति किलो पहुंच गई। सराफा व्यवसायी रोनक मिंडा ने बताया कि एक फरवरी बजट के दिन भी सोना 83,900 रहा तो चांदी स्थिर रही।

मार्केट का ट्रेंड बदला...

वहीं इन दिनों विवाह सीजन चल रहा है, ऐसे में सराफा बाजार में सोना-चांदी की ज्वेलरी खरीदने वाले भी पहुंच रहे हैं। चूंकि दोनों कीमती धातुओं के दाम काफी बढे हुए हैं। ऐसे में मार्केट ट्रेंड भी बदल गया है। सोने की ज्वेलरी लेने वाले इन दिनों 18 और 20 कैरेट की ज्वेलरी की डिमांड कर रहे हैं। वहीं सराफा कारोबारियों की मानें तो दामों में वृद्धि के कारण आने वाले विवाह समारोह सीजन के लिए होने वाली ज्वेलरी की एडवांस बुकिंग में भी काफी अंतर देखने को मिल रहा है। फरवरी-मार्च माह के लिए एडवांस बुकिंग 10 फीसदी ही हो रही है।

पहले 22 कैरेट की ज्वेलरी थी डिमांड में...

सोने के दाम बढने के कारण ज्वेलरी खरीदने के ट्रेंड में बदलाव देखने को मिल रहा है। खासकर विवाह समारोह की खरीदारी में लिए जाने वाली ज्वेलरी की शुद्धता व वजन में काफी अंतर आ गया है। पहले जहां 22 कैरेट की ज्वेलरी ली जाती थी, वहीं अब लोग 18 और 20 कैरेट की ज्वेलरी को खरीद रहे हैं। सराफा कारोबार से जुड़े लोगों ने बताया कि 18 और 20 कैरेट गोल्ड की डिमांड इस वजह से है क्योंकि, इनका वजन हल्का होने के साथ-साथ दाम भी कम हैं। वहीं कुछ लोग पुश्तैनी ज्वेलरी को बदलकर उसे नया स्वरूप भी दे रहे हैं। शुक्रवार को 18 कैरेट गोल्ड के दाम 64000 रुपए और 20 कैरेट गोल्ड के दाम 71500 रुपए प्रति दस ग्राम थे।

जनवरी माह दोनों धातुओं के भाव एक नजर में

तारीख	सोना	चांदी
2 जनवरी	78,800	88,800
6 जनवरी	79,000	90,700
9 जनवरी	79,600	91,400
21 जनवरी	80,500	91,900
22 जनवरी	81,200	92,000
28 जनवरी	82,300	92,700
30 जनवरी	83,200	93,500
31 जनवरी	84,000	94,000

(चांदी प्रतिकिलो रुपए में और सोना प्रति दस ग्राम रुपए में)

अब लहसून किसानों को रुला रही

कई किसानों को लागत निकालना हो रही मुश्किल

मंदसौर, 01 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। पिछले कुछ वर्षों में लहसून के दाम आसमान छू रहे थे। 40 से 50 हजार रुपए क्विंटल तक भी दाम पहुंच गए थे। इसके चलते किसानों ने बडी मात्रा में लहसून की बोवनी की है। इस समय किसानों को उनकी उपज के वाजिब दाम तक नहीं मिल रहे हैं। इसके चलते उनकी लागत तक नहीं निकल पा रही है। किसानों ने अच्छी आमदनी होने के चक्कर में उंचे दामों पर उंटी लहसून का बीज खरीदा, उसकी बोवनी की। जब फसल हाथ आई और मंडी पहुंचे, जहां लहसून के जो भाव मिले उसे सुनकर ही अन्नदाता हताश हो रहा है।

पिछले कुछ वर्षों में लहसून की वजह से अन्नदाता की आमदनी काफी बढ़ी थी। उम्मीद से अधिक दाम मिलने से किसान काफी खुश थे। इसके चलते जिले में किसानों ने पिछले वर्षों की तुलना में अधिक क्षेत्रफल में बोवनी भी की। शनिवार अवकाश के पहले शुक्रवार को मंडी में लहसून लेकर पहुंच रहा किसान दाम सुनकर ही मायूस हो रहा है।

कृषि उपज मंडी में लहसून की 15 हजार बोरी आवक हुई। नीचे में 2590 और उम्रर में 12100 रुपए क्विंटल में बिका। यही लहसून पिछले साल 20 से 30 हजार रुपए क्विंटल तक बिकी थी। इतने कम दाम मिलने से किसानों की लागत तक नहीं निकल पा रही है। किसानों का कहना है जिस तेजी से बीज, खाद, मजदूरी आदि के दाम बढ रहे हैं। इससे खेती की लागत भी बढी है। उंचे दाम पर उंटी बीच खरीदा। लेकिन, अब दाम काफी कम मिल रहे हैं। इससे खर्चा निकलना तक मुश्किल है।

इनका कहना...

मैंने उंटी लहसुन बुवाई के लिए खरीदी थी। तब 50 हजार रुपए क्विंटल के भाव मिली थी। आज 10 हजार रुपए क्विंटल बिक रही है। खर्चा निकालना भारी पड रहा है।

❊ रामसिंह गुर्जर, किसान

चायना लहसून की आवक की वजह से भी दाम प्रभावित हो रहे हैं। यह लहसून कहां से आ रहा है, इसकी जानकारी नहीं, देशी लहसून के दाम प्रभावित हो रहे हैं।

❊ गोविंद प्रजापत, किसान

अच्छी क्वालिटी का लहसून लाने के बाद भी मंडी में दाम नहीं मिल रहे हैं। कम दाम मिलने की वजह से लागत भी नहीं निकल पा रही है।

❊ दशरथ धाकड़, किसान

काम्बिग गश्त: खाकी ने रातभर जाग कर 294 वारंटियों को दबोचा

जिले के 500 से ज्यादा पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों ने मिल की कार्यवाही

मंदसौर, 01 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। शुक्रवार- शनिवार की रात 500 से ज्यादा पुलिस वालों ने अपनी नींद त्याग कर कार्यवाही की। यह अवसर था कॉम्बिंग गश्त का। इस दौरान रातभर पुलिस अधिकारी, कर्मचारियों ने अपराधियों की धरपकड की। जिले के अपराधियों के विरूद्ध की गई सर्जिकल स्ट्राईक में 294 वारंटियों को धरदबोचा। जिनमें 181 स्थायी वारंटी एवं 81 गिरफ्तारी वारंटी शामिल हैं।

पुलिस ने कॉम्बिंग गश्त के दौरान 10 जमानती व समंस, 138 एनआई एक्ट के 30 एवं अन्य नोटिस भी तामिल करवाए। हिस्ट्रीशीटर/गुंडा, बदमाशों की चेकिंग करते कुल 74 निगरानी बदमाशों को चेक किया एवं 90 गुंडा/बदमाशों, 02 माफी बदमाशों को चेक करते कुल 166 हिस्ट्रीशीटर/गुंडा बदमाशों/जिलाबदर/माफी/सजायाव बदमाशों की सघन चैकिंग की गई। कॉम्बिंग गश्त के दौरान पुलिस के द्वारा अवैध शराब के कुल 26 प्रकरणों में 26 आरोपियों को गिरफ्तार कर आरोपियों के कब्जे से कुल 116.38 लीटर कुल कीमती 33 हजार 742 रुपये की अवैध शराब जप्त की गई।कॉम्बिंग गश्त के दौरान जिले के समस्त राजपत्रित अधिकारियों समेत समस्त थानों की 50 गश्त पार्टियों में कुल 500 से अधिक पुलिस अधिकारी/कर्मचारियों के द्वारा सर्द रात्रि गश्त की कार्यवाही को अंजाम दिया गया। पुलिस अधीक्षक अभिषेक आनंद द्वारा विभिन्न थानों, थाना कोतवाली, चौकी मुल्तानपुरा एवं थाना दलौदा को आकस्मिक रूप से चेक किया। इस दौरान थाने के रिकॉर्ड रजिस्टर भी चेक किये एवं उपस्थित कर्मचारियों को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए।

निजी यात्री बस पलटी, 15 घायल

स्कूल बस हादसे का शिकार होते-होते बची

शामगढ़, 01 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। थाना क्षेत्र के चांदखेडी खुर्द में एक निजी यात्री बस पलट गई। जिसमें करीब 15 यात्री घायल हो गए। जिन्हें अस्पताल ले जाया गया। इधर एक और बस हादसा नाहरगढ क्षेत्र में बिल्लौद स्थित शिवना पुल पर हुआ। यहां एक स्कूल बस अनियंत्रित होकर पिकअप से टकरा गई। बस में बच्चे भी सवार थे। गनीमत रही कि बस नदी में नहीं गिरी। अन्यथा बडा हादसा हो सकता था।

मिली जानकारी के अनुसार शामगढ से बोलिया चलने वाली एक निजी यात्री बस चांदखेडी खुर्द के यहां अनियंत्रित होकर पलट गई। बस में महिलाएं, बच्चे और पुरुष सवार थे। हादसे में करीब दस से पद्रह यात्रियों को चोटें लगी। इसके बाद एंबुलेंस और पुलिस मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों के साथ राहगिरों ने भी यात्रियों को बस से बाहर निकाला। इसके बाद घायलों को गरोठ सहित अन्य जगहों पर स्थित अस्पतालों में ले जाया गया।

स्कूल बस हुई अनियंत्रित...

एक और सडक दुर्घटना बिल्लौद शिवना पुलिया पर हुई। यहां हंस वाहिनी ज्ञान मंदिर स्कूल की बस अनियंत्रित हो गई। बताया जाता है कि स्टेरिंग फेल होने के कारण बस चालक के नियंत्रण से बाहर हो गई। इसके बाद एक पिकअप से जा टकराई। टकराने के बाद बस रुक गई। अन्यथा बस नदी में भी गिर सकती थी। बस में स्कूली बच्चे भी सवार थे।

पशुपतिनाथ मंदिर में आया हार्ट अटैक, मौत

❊ पत्नी की सेवानिवृत्ति पर आए थे पूजा करने ❊ शाम को रिसोर्ट में था कार्यक्रम ❊ विश्व विख्यात मंदिर में नहीं कोई स्वास्थ्य सुविधा

मंदसौर 01 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। श्री पशुपतिनाथ मंदिर में शनिवार सुबह एक बुजुर्ग की हार्ट अटैक से मौत हो गई। घटना मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। सीढियों से उतरने से पहले बुजुर्ग लडखडाए और गिर गए। जिनको अस्पताल ले जाने के दौरान मौत हो गई।

जानकारी के मुताबिक स्टेशन रोड सिटी सेंटर के रहने वाले राजेश दुबे (उम्र 67 वर्ष) अपनी पत्नी शोभा दुबे के साथ मंदिर में पूजा-अर्चना करने के लिए आए थे। शोभा का शुक्रवार को सहायक शिक्षक के पद से रिटायरमेंट हुआ था, जिसका सेलिब्रेशन शाम को एक रिसॉर्ट में होना था।

सुरक्षाकर्मियों ने सीपीआर दिया, नहीं बची जान...

सीसीटीवी फुटेज में दिख रहा है कि दंपती मंदिर के मुख्य द्वार से अंदर प्रवेश कर रहे हैं। पत्नी शोभा के आगे निकलते ही राजेश दुबे को अचानक चक्कर आ गया और वे रेलिंग के पास गिर पडे। मौके पर मौजूद सुरक्षाकर्मियों और पुलिसकर्मियों ने तुरंत सीपीआर दिया। पुलिस वाहन से उन्हें अस्पताल ले जाया गया। यहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

कई दिनों से सेलिब्रेशन की तैयारी में जुटे थे...

श्री दुबे जिला पंचायत में परियोजना अधिकारी के पद से कुछ साल पहले रिटायर हुए थे। वे पत्नी के रिटायरमेंट सेलिब्रेशन की तैयारियों में कई दिनों से जुटे हुए थे। रिटायरमेंट के बाद वे अपना अधिकांश समय परिवार और धार्मिक कार्यों में व्यतीत करते थे।

क्या होता है सीपीआर...

सीपीआर का फुल फॉर्म कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन है। यह एक तरह की प्राथमिक चिकित्सा यानी फर्स्ट एड है। जिससे आप किसी की जान बचा सकते हैं।

नीमच जिपं का जिम्मा 22 साल के अमन वैष्णव को

नीमच, 01 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। जिला पंचायत में नए मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) के रूप में आईएएस अमन वैष्णव ने शनिवार को पदभार ग्रहण किया। ग्वालियर नगर निगम आयुक्त के पद से स्थानांतरित होकर आए वैष्णव 2018 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। जिन्होंने मात्र 22 वर्ष की आयु में यह प्रतिष्ठित सेवा हासिल की।

उत्तर प्रदेश के झांसी के मूल निवासी वैष्णव ने दिल्ली के प्रतिष्ठित हिंदू कॉलेज से बीए ऑनर्स की शिक्षा प्राप्त की है। अपने करियर में वे धार में प्रशिक्षु आईएएस, नरसिंहगढ (राजगढ) में एसडीएम, झाबुआ और रतलाम में जिला पंचायत सीईओ तथा अनूपपुर में अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट के पद पर सेवाएं दे चुके हैं।पदभार ग्रहण करने के तुरंत बाद वैष्णव ने जिला पंचायत के अधिकारियों और कर्मचारियों की बैठक ली। उन्होंने पंचायत और ग्रामीण विकास योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की और रिक्त पदों की पूर्ति के लिए शासन को प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए। न्यायालयीन प्रकरणों में समय पर जवाब-दावा प्रस्तुत करने, ऑडिट रिपोर्ट की ऑनलाइन एंट्री सुनिश्चित करने और मनरेगा में श्रमिक नियोजन बढाने पर विशेष जोर दिया। बैठक में अतिरिक्त सीईओ अरविंद डामोर सहित जिला पंचायत के सभी परियोजना अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

अब तेज ठंड के आसार नहीं

मंदसौर, 01 फ़रवरी गुरु एक्सप्रेस। फरवरी महीने में अधिकांश शहरों में दिन का अधिकतम तापमान 32 डिग्री के पार पहुंच जाता है। हालांकि, इस दौरान रातें ठंडी रहती हैं। कुछ शहरों में बादल छाने के साथ बारिश भी होती है। इस बार भी लगभग ऐसा ही मौसम रहने की उम्मीद है। फरवरी के पहले सप्ताह में बादल छाए रहेंगे। वहीं मौसम वैज्ञानिकों की माने तो 12 से 14 फरवरी के बीच बारिश हो सकती है। 20 फरवरी के बाद ठंड का असर और कम हो जाएगा।

सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. वेदप्रकाश सिंह ने बताया कि अभी एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) एक्टिव है। इसका असर 2 से 3 दिन रहेगा। लेकिन, यह सिस्टम स्ट्रॉन्ग नहीं है। ऐसे में पहले सप्ताह में बारिश की संभावना कम ही है। रात के तापमान में जरूर गिरावट होगी। दूसरे सप्ताह में ठंड का असर और कम होगा। 12 से 14 फरवरी के बीच बूंदाबांदी हो सकती है। आखिरी सप्ताह में दिन और रात के तापमान में बढ़ोतरी होगी।

10 साल का ट्रेंड...दिन गर्म, राते ठंडी और बारिश भी...

प्रदेश में पिछले 10 साल के आंकड़ों पर नजर डालें, तो फरवरी महीने में रातें ठंडी और दिन गर्म रहते हैं। इस दौरान बारिश का ट्रेंड भी देखा गया है। इस बार भी ऐसा ही मौसम रहने का अनुमान है। भोपाल, इंदौर और उज्जैन में दिन का अधिकतम तापमान 30 डिग्री के पार रहेगा। जबकि, रात का तापमान 10 से 14 डिग्री के बीच रह सकता है।

राहुल गांधी ने कांग्रेस को सीख दी है, पर असर भाजपा पर अधिक नजर आएगा...

मंदसौर/उज्जैन, 01 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। राहुल गांधी ने राष्ट्रीय राजनीति के साथ ही अपनी पार्टी के राष्ट्रीय पदाधिकारियो को बार-बार उनकी गलतियों पर आईना साफ कर दिखा रहे हैं। मुद्दा कांग्रेस के घटते जन आधार का है। शीर्ष नेतृत्व अगर सुधार करेगा तो कांग्रेस को भविष्य में लाभ मिल सकता है। अपने ही संगठन में राहुल ने सख्त आपत्ति दर्ज कराई कि अगर पिछडों, दलितों को पहले की तरह समेट कर रखा जाता तो कांग्रेस का जनाधार अधिक होता और जनसाख इतनी अधिक नहीं घट जाती। यह स्पष्ट है कि देशभर में उपेक्षित वर्ग के मतदाताओं का प्रतिशत सबसे अधिक है। स्वर्गीय इंदिरा गांधी के कार्यकाल तक यह वर्ग पूरी तरह से कांग्रेस के समर्थक मतदाता थे। उसके बाद धीरे-धीरे कांग्रेस संगठन से यह वर्ग दूर होने लगा और भाजपा ने इन्हें लपक लिया। बीते दो दशकों में भाजपा का जन आधार और वर्चस्व दोनों में ही लगातार इजाफा होता रहा है। केंद्र से लेकर कई राज्यों में भाजपा की सरकार सत्ता पर काबिज है। यह अलग बात है कि भाजपा ने केंद्रीय सरकार बनाने के बाद येन केन प्रकारेण दूसरे सभी राजनीतिक दलों, उनकी सरकारों को भी धराशाई कर दिया। भाजपा सरकार की यह प्रैक्टिस अभी भी जारी है।

चन्द्रमोहन भगत

राहुल गांधी की इस बात के लिए अनेक राजनीतिक समीक्षक प्रशंसा कर रहे हैं कि राहुल ने खुद के शोध के बाद अपनी ही कांग्रेस के संगठन को कटघरे में खडा कर दिया है, कि क्यों पिछडे, दलित और उपेक्षित वर्ग जो पांच छह दशक तक कांग्रेस के साथ था, विरोध में क्यों हो गया! कांग्रेस संगठन के राष्ट्रीय पदाधिकारी कब और क्या जवाब देंगे? इस बात पर अभी कुछ कहा नहीं जा सकता है। कांग्रेस संगठन को राहुल गांधी की दी गई सिख का असर निश्चित ही अन्य राजनीतिक दलों पर भी नजर आएगा और भाजपा पर सबसे ज्यादा। कारण साफ है कि उपेक्षित वर्ग जितना भी कांग्रेस से नाराज होकर अलग हुआ था। वह बहुजन समाज पार्टी से होता हुआ वर्तमान में भाजपा में समाया हुआ है। राहुल की सीख पर अगर कांग्रेस नेतृत्व ने इन उपेक्षित वर्ग को अपने साथ राज्यों की सरकारों और संगठनों में स्थान देने लगे तो भाजपा को भी मजबूरी में इन वर्गों के कार्यकर्ताओं उपकृत करना पडेगा। अमेरिका में ट्रंप की सरकार बनना और अंतरराष्ट्रीय बाजार में चीन का वर्चस्व बढने से भारत की केंद्रीय सरकार कमजोर होती जा रही है। अत: भाजपा भी अपना वर्चस्व मजबूती से बनाए रखने के लिए इन उपेक्षित वर्ग के कार्यकर्ताओं को अधिक उपकृत करेगी। भाजपा संगठन की जिला इकाइया लगभग घोषित हो चुकी है। ऐसे वातावरण के चलते प्रदेश अध्यक्ष पिछडा या अनुसूचित वर्ग का बनाया जा सकता है। कांग्रेस की घोषित होने वाली जिला इकाइयों से लेकर प्रदेश संगठन तक उपेक्षित वर्ग को पहले से अधिक स्थान मिलना तय माना जा रहा है।

राजीनामा नही करने पर दी धमकी, प्रकरण दर्ज

पिपलियामंडी, 01 फ़रवरी गुरु एक्सप्रेस। कोर्ट में चल रहे प्रकरण में राजीनामा नही करने पर जान से मारने की धमकी देने पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। पामाखेडा निवासी तुलसीराम बावरी (82) ने मल्हारगढ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि गांव के राजाबाबू पिता लालसिंह बावरी के खिलाफ कोर्ट में केस चल रहा है। राजाबाबू ने गालियां देकर धमकी दी कि केस में राजीनामा नही किया तो तुझे व तेरे परिवार को जान से मार दूंगा। पुलिस ने राजाबाबू पर केस दर्ज किया।

विचार-मंथन

हर बार दोहराई गई वही लापरवाही...

महाकुंभ में मची भगदड़ ने पुराने जख्मों को कुरेद दिया है। आजादी के बाद से लेकर अब तक के कुंभ मेलों में कई बार भगदड़ मची है। सैकड़ों लोगों की मौत भी हुई, लेकिन उन सभी हादसों से कभी सबक नहीं लिया गया। हर बार कोई न कोई लापरवाही या व्यवस्था में खामी ही सामने आई। ज्यादातर मामलों में प्रशासन भीड़ को काबू करने में नाकाम रहा। पिछले कुंभ में भी यही हुआ था, जब बड़ी संख्या में प्रयागराज पहुंचे श्रद्धालुओं को रेलवे और जिला प्रशासन संभाल नहीं पाया। स्टेशन पर बने 'फुटब्रिज' पर भगदड़ मची और बयालीस लोगों की मौत हो गई थी। इस बार भी ऐसा ही हुआ। महाकुंभ की सुरक्षा संभाल रहे जिम्मेदार लोगों को पता था कि मौनी अमावस्या पर बड़ी संख्या में लोग स्नान के लिए आएंगे, तो इसकी व्यवस्था उसी के अनुरूप क्यों नहीं की गई। स्पष्ट है कि भीड़ प्रबंधन के ठोस उपाय नहीं किए गए। कोई ज्यादा दिन नहीं हुए, जब कुंभ मेला क्षेत्र में आग लगने की घटना हुई थी। तब से वहां सुरक्षा बंदोबस्त बढ़ा दिए गए थे। ऐसे में लाखों-करोड़ों लोगों के जुटान को देखते हुए कई स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था करने की आवश्यकता थी। यह दुखद है कि हर कुंभ मेले के आयोजन के बाद और बेहतर तैयारियां तथा सुरक्षा प्रबंध पुख्ता करने के दावे किए जाते हैं। मगर हादसे नहीं थमते। इस बार महाकुंभ से पहले ही अनुमान लगाया जा रहा था कि बड़ी संख्या में श्रद्धालु संगम स्थल पर पहुंचेंगे। कुंभ मेला स्थल तैयार करते समय अनुभवी अधिकारियों को क्या अनुमान नहीं था कि इस बार बेहिसाब भीड़ पहुंचेगी? जितनी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे हैं और जो आंकड़े दिए जा रहे हैं, उस हिसाब से तो कुंभ परिसर और नदी के तट अपर्याप्त हैं। इस समय उत्तर प्रदेश सरकार का पूरा अमला आयोजन को सफल बनाने में जुटा है। फिर भी कहां कमी रह गई, यह सवाल स्वाभाविक है। संगम पर लगातार भीड़ बढ़ने और उस पर नियंत्रण के लिए पहले से आकलन क्यों नहीं किया गया? यह सुरक्षाकर्मियों की भी लापरवाही है, क्योंकि वे समय पर संकट को भांप नहीं पाए। मंगलवार और बुधवार की दरम्यानी रात भगदड़ में 30 श्रद्धालुओं की मौत होने बात कही जा रही है। 60 से अधिक लोग घायल हो गए हैं। इस बीच विपक्षी दलों को भी आयोजन में बदइंतजामी का आरोप लगाने का स्वाभाविक अवसर मिल गया है, लेकिन इसी के साथ यह सवाल उठना लाजमी है कि तैयारियों में कमी कहां रह गई। इस आयोजन के लिए कई हजार करोड़ की राशि खर्च की गई। अत्यधिक प्रचार का असर यह हुआ कि देश के कोने-कोने में रह रहे श्रद्धालुओं ने संगम में स्नान करने का मानस बना लिया। नतीजा यह हुआ कि लाखों-करोड़ों लोग अलग-अलग परिवहन साधनों से संगम की ओर चल पड़े। तेरह जनवरी से शुरू हुए इस आयोजन के शुरुआती दौर में ही लाखों श्रद्धालुओं का जुटान होने लगा था। ऐसे में इतने लोगों के लिए पूरे शहर और मेला क्षेत्र में ठहरने के वैकल्पिक प्रबंध करने की आवश्यकता थी। इससे श्रद्धालु एक निश्चित संख्या में क्रम से संगम की ओर जाते और वहां से निकलते जाते, लेकिन ऐसा नहीं हुआ और सभी इंतजाम धरे के धरे रह गए। करोड़ों की भीड़ को संभालने के लिए सात स्तरीय सुरक्षा भी काम नहीं आई। फिलहाल यह हादसा एक बार फिर कड़ा सबक दे गया है।

महाकुंभ के हादसे के लिए जिम्मेदार कौन?

कमलेश पांडे

फिलवक्त योगी सरकार ने प्रयागराज महाकुंभ हादसे की न्यायिक जांच करवाने के आदेश दे दिए हैं, ताकि यह पता चल सके कि इतनी बड़ी प्रशासनिक चूक कैसे हुई और उसके लिए कौन-कौन लोग जिम्मेदार हैं? क्योंकि इतने महत्वपूर्ण वैश्विक आयोजन में पहले हुई अग्निकांड की घटनाएं और फिर अनियंत्रित भीड़ से मची भगदड़ के चलते वहां की पूरी प्रशासनिक तैयारी भी एक बार पुनः सवालों के घेरे में आ चुकी है। कहना न होगा कि वहां जो कुछ भी हुआ, वह भीड़ प्रबंधन सम्बन्धी प्रशासनिक विवेक के अकाल का परिचायक तो है ही, साथ ही साथ उसके त्वरित निर्णय लेने की क्षमता की अक्षमता को भी उजागर कर चुका है। जबकि वहां सीसीटीवी कैमरे, ड्रोन और हेलीकॉप्टर तक से निगहबानी हो रही है, ताकि त्वरित निर्णय लेते हुए स्थिति पर काबू पाया जा सके। वहीं, सवाल यह भी है कि इस हादसे के बाद आवागमन व वीआईपी व्यवस्था सम्बन्धी जो नीतिगत बदलाव किए गए, वह पहले ही क्यों नहीं किए गए? चूंकि महाकुंभ सम्बन्धी तैयारियां महीनों पहले से चल रही थीं और करोड़ों लोगों के जुटने के पूर्वानुमान भी लगाए जा चुके थे। फिर भी वहां हुई प्रशासनिक तैयारी तो नाकाफी लगी ही, साथ ही साथ श्रद्धालुओं के लिए कष्ट प्रदायक भी महसूस हुई। क्योंकि उनमें बच्चों, महिलाओं, बुजुर्गों और विकलांग लोगों

की सहूलियत का कोई ख्याल नहीं रखा गया था। इसलिए हताहतों व घायलों की सूची में उनकी संख्या ज्यादा है। स्थानीय प्रशासन के मुताबिक, इस घटना में जहां लगभग 30 श्रद्धालुओं को अमरत्व यानी देवलोक प्राप्त हो गया, वहीं लगभग 100 लोग कुचल जाने के कारण घायल हो गए, जिनका इलाज स्थानीय अस्पताल में किया जा रहा है। वहीं, मृतकों के शवों को पाने में भी परिजनों को काफी तकलीफें उठानी पड़ी हैं। जबकि इस भगदड़ में बिछुड़े हुए परिजनों की जो व्यथा-कथा दिखाई सुनाई पड़ी, वह भी विचलित करने वाली है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस दुःखद घटना ने जहां यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हृदय को द्रवित कर दिया, वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी भावुक नजर आए। हालांकि, योगी सरकार ने पीड़ितों के दुःखों को कम करने के लिए कतिपय राहत उपाय भी घोषित किये हैं, जिसके मुताबिक मृतकों के परिजनों को 25-25 लाख रुपये प्रदान किये जायेंगे और घायलों को समुचित इलाज प्रदान किया जाएगा। इससे पीड़ित परिवारों को कुछ राहत भी मिली है। हालांकि, इस पूरे महाआयोजन की रिपोर्टिंग करने वहां पहुंचे पत्रकारों ने भी यदि श्रद्धालुओं की आवागमन सम्बन्धी बैरिकेटिंग, संगम नोज पर ठहरने और स्नान स्थल की कमी तथा रहन-सहन सम्बन्धी कमियों को पहले ही उजागर कर दिया होता तो प्रशासन को भी संभलने का मौका मिल जाता। लेकिन इस विषय को नजरअंदाज करना लोगों पर भारी पड़ गया। इस नजरिए से प्रशासनिक खुफिया तंत्र को भी आप विफल मान सकते हैं। जानकारों के मुताबिक, वहां मौजूद गड़बड़ी लगभग सबने जरूर देखी-सुनी होगी, लेकिन किसी ने भी उन कमियों को गंभीरता से नहीं लिया। क्योंकि यदि समय पर वहां व्याप्त अव्यवस्था की रिपोर्टिंग हुई होती तो महाकुंभ हादसे की इतनी बड़ी हृदयविदारक घटना नहीं घटती। चश्मदीद लोगों के मुताबिक, वहां समय पर कोई भी काम पूरा नहीं किया गया था। यहां तक कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को फटकार भी लगाई थी और काम जल्द पूरा करने का आदेश दिया था। लेकिन अपने देश के प्रशासन की जो गैरजिम्मेदार और उत्तरदायित्व विहीन शैली रही है, उससे महाकुंभ की तैयारियां भी अछूती नहीं बचीं। लिहाजा, इस अप्रत्याशित घटना से पूरे विश्व में भारत को शर्मिंदगी झेलनी पड़ी है, जबकि इस वृहत आयोजन की प्रारंभिक सफलता को लेकर उसकी तारीफों के पुल बांधे जा रहे थे। लोगों के मुताबिक, जो कमियां पहले बताई जानी चाहिए थी, वह नहीं बताई गई। जैसे- पहला, जब से महाकुम्भ की शुरुआत हुई तबसे श्रद्धालुओं को 10-15 किलोमीटर पैदल चलना पड़ रहा था, जिससे बच्चे, बुजुर्गों और महिलाओं की परेशानी देखते ही बनती थी। इतना दूर चलने के दौरान उन पर गर्म कपड़ों व अन्य जरूरी सामानों का बोझ भी होता था। दूसरा, वीआईपी विजिट के चक्कर में अधिकतर पूल और मार्ग बंद रखे जाते थे, जिससे आमलोगों को आवागमन में काफी तकलीफें हो रही थीं। तीसरा, आमलोगों के लिए टॉयलेट, पीने योग्य पानी, जैसी बुनियादी सुविधाएं भी उचित संख्या में उपलब्ध नहीं है। चतुर्थ, स्थानीय रेलवे जंक्शन, बस स्टैंड से मेला क्षेत्र में जाने के लिए भीषण ट्रैफिक और व्याप्त अव्यवस्था से भी आमलोगों को काफी परेशानी होती है। पंचम, वहां आम लोगों के लिए ठहरने की कोई माकूल व्यवस्था नहीं की गई है, और जो कुछ व्यवस्थाएं वहां की गई हैं, वो काफी महंगी हैं। जबकि सस्ते होटल या सस्ती व्यवस्था काफी दूर है। जबकि लोग-बाग एक रात संगम घाट पर किसी तरह से बिताना चाहते हैं। इन बातों के मद्देनजर यह समझा जा सकता है कि प्रयागराज महाकुंभ हादसा एक अनहोनी थी, जो घट गई। इस दौरान वहां जो कुछ भी हुआ वह अत्यंत ही दुखद है। क्योंकि प्रयागराज कुंभ में भगदड़ मचने की वजह से असमय ही कुछ लोग काल-कवलित हो गए, जो दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। लेकिन महाकुंभ जैसे अपार जनभागीदारी वाले आयोजन को जिस सुव्यवस्थित तरीके से अब तक आयोजित किया गया, उसे किसी अनहोनी से कमतर नहीं करार दिया जा सकता। क्योंकि पहले अगलगी और फिर भगदड़ के मामले को स्थानीय प्रशासन ने जिस तीव्रता से नियंत्रित कर स्थिति को सामान्य बनाया, वह काबिलेगौर है और काबिलेतारीफ भी। महाकुंभ यात्रा संपादित कर चुके लोगों ने बताया कि हमलोग दूरदराज से सपरिवार महाकुंभ गए, ट्रेन-बस-कार आदि से गए, वहां ठहरे और स्नान संपन्न कर लौट आए। वे सभी लोग उत्साह से परिपूर्ण थे, क्योंकि करोड़ों लोगों की आवाजाही के बावजूद कुम्भ नगरी की सफाई व अन्य व्यवस्था चकित करती थी। उनके लिए सबसे उल्लेखनीय प्रशासन व पुलिस का सहयोग था, जो किसी भी छोटे-बड़े सहयोग के लिए तत्पर दिखते थे।

समाज में स्थायी सम्मान प्राप्त करने का मंत्र है विनम्रता

प्रत्येक व्यक्ति जीवन में सफलता प्राप्त करना चाहता है। वह जीवन के हर सोपान में अपने आप को उत्तम स्थिति में रखना चाहता है। लेकिन जीवन की सफलता मनुष्य के संघर्ष और उसके आचरण में अंतर्निहित विनम्रता पर भी निर्भर करती है। मनुष्य अगर सब कुछ प्राप्त करके भी विनम्र नहीं है तो उसका जीवन अधूरा है। रावण बहुत बड़ा विद्वान और शास्त्रों का ज्ञाता माना जाता था, लेकिन उसके जीवन और आचरण में विनम्रता न होकर दंभ और अहंकार समाविष्ट था, इसलिए वह अपने अहं और विनम्रता विहीन जीवन के कारण मारा गया। विनम्रता मनुष्य का वह गुण है, जो मनुष्य के निजी जीवन में समाजीकरण की प्रक्रिया में उसके द्वारा आत्मसात किया जाता है। मनुष्य अपनी विचार-सीमा में अहंकारी, स्वार्थी, लालची और पद प्राप्त करने वाला लोभी हो जाता है, लेकिन धीरे-धीरे वह सामाजिक परिवेश में अपने आसपास के ज्ञानी, साधु और सच्चे सद्गुणी नागरिकों के संपर्क में आकर अपने लोभ और लालच की अहंकारी गतिविधियों में सुधार लाकर सहिष्णु, सौहार्द, करुणा, सहयोग आदि गुणों को अपने में समाहित कर विनम्रता के सद्गुण को ग्रहण कर सकता है। विनम्रता सही मायने में सामाजिक अच्छाई की परिणति है। सद्गुण और विनम्रता दरअसल, महान लोगों द्वारा ग्रहण किया हुआ वह अलंकार है जो उसे लोक और परलोक में सर्वमान्य रूप से स्थापित करता है। तुच्छ मानसिकता वाला व्यक्ति अपनी छोटी-छोटी गतिविधियों में रहकर अपने आप को सर्वशक्तिमान और सर्वज्ञानी समझकर कुएं के मेंढ़क की तरह 'अधजल गगरी छलकत जाए' की कहावत को सिद्ध करता है। साधारण-सी बात है कि हम अपने लिए किस सामान्य व्यवहार और शिष्टाचार की अपेक्षा करते हैं? जाहिर है, कि हमें भी उसी स्तर की विनम्रता अपने व्यवहार में लानी चाहिए। महान और ज्ञानी व्यक्ति के व्यक्तित्व में विनम्रता झलकती है। ऐसे लोग उसे प्रदर्शित करने से परहेज करते हैं, क्योंकि विनम्रता उनके संपूर्ण व्यक्तित्व में समाहित होती है। यह किसी भी सज्जन व्यक्ति की जीवन शैली होती है। ऐसे उदाहरण हमारे आसपास बिखरे मिल जाते हैं कि अगर हम किसी विनम्र व्यक्ति की प्रशंसा करें तो आमतौर पर वे उसे स्वीकार न कर, अपनी विशेषताओं के लिए किसी दूसरे व्यक्ति को श्रेय देते हैं। वहीं कुछ लोग अपने मुंह मियां मिट्ठू बनने से नहीं अघाते हैं। ज्ञानी व्यक्ति अपनी उपलब्धि को समाज की बेहतरी के लिए उपयोग में लाता है, न कि उसे केवल अपने या अपने करीबी या परिवार के लिए ही सीमित रखता है। ज्ञान तथा सद्गुणों की खोज में रहने वाले व्यक्ति के जीवन में नई-नई उपलब्धियां अपने आप आने लगती हैं। जिस तरह फलदार वृक्ष सदैव झुके हुए होते हैं, उसी तरह विनम्र और ज्ञानी व्यक्ति भी बहुत अधिक विनम्र और देश, समाज और राष्ट्र के प्रति निष्ठावान होता है। ज्ञानी व्यक्ति केवल सूचनाओं का केंद्र नहीं होता, बल्कि ज्ञान उसे विनम्र और सद्गुणी बनाता है। विनम्रता मनुष्य के जीवन में अच्छे मार्ग को प्रशस्त होता है। इस गुण से लैस व्यक्ति ही समाज में उचित स्थान और सम्मान का हकदार बनता है। इसी से मनुष्य समाज के हर पहलू में उसका पात्र बनकर उसे ग्रहण करने का अधिकार रखता है। इसलिए विनम्र और ज्ञानी व्यक्ति समाज में सदैव सम्मानित और उच्च स्थान प्राप्त करने वाला व्यक्ति बन जाता है। विनम्र व्यक्ति में नेतृत्व गुण संभावित होता है, क्योंकि ज्ञानी और विनयशील व्यक्ति को अपने नेतृत्व कर्ता के रूप में समाज स्वीकार करता है। ऐसा व्यक्ति अपने विचारों को आमजन पर अधिरोपित नहीं करता, बल्कि उनके विचारों को उनके सुझावों को प्राप्त कर नए-नए समाधान भी निकालता है। महात्मा गांधी ने सत्य और अहिंसा को अपना साधन घोषित करते हुए स्वतंत्रता के लिए इसे अपना अस्त्र बनाया था। सत्य और अहिंसा विनम्र व्यक्ति के दो अमोघ अस्त्र की तरह होते हैं, जो विनम्रता को और प्रभावशाली बनाते हैं। विनम्र व्यक्ति सदा संतोषी और परम सुखी होता है, क्योंकि उसकी अपनी कोई महत्वाकांक्षा, इच्छा, लोभ, जलन या प्रतिस्पर्धा नहीं रहती है। वह अवगुणों से दूर रहकर अपने को परिमार्जित कर लेता है और समाज के विकास के लिए समर्पित भी रहता है। महात्मा बुद्ध के संदर्भ में कहा जाता है कि जब वे ज्ञान की खोज में देशाटन कर रहे थे, तब लोगों ने उन्हें अनेक प्रकार की यातनाएं दीं, पर बुद्ध बिना विचलित हुए अपनी खोज में लगे रहे।

फर्नेस ऑयल और पिटकोक ईंधन बन रहा मौत का वाहक

वायु प्रदूषण में पीपीएम का मतलब साफ है कि हवा में गैस के प्रति मिलियन भाग है। रसायन विज्ञान में वायुमण्डल के गैसों की सांद्रता को बताने के लिए पीपीएम का प्रयोग किया जाता है। फर्नेस ऑयल या पिटकोक के ईंधन के रूप में उपयोग से नदी-नालें, जलवायु, पेड़-पौधे, यहां तक की पशु पक्षी भी प्रभावित हो रहे हैं। प्रदूषण को लेकर दुनिया में भले ही कितनी भी चिंता व्यक्त की जाती हो, कितने ही बड़े बड़े सम्मेलन होते हो, दुनिया के देशों के प्रमुखों द्वारा कितनी ही साझा बैठकें कर चिंता व्यक्त की जाती हो, कितनी ही गंभीरता का ताना-बाना बुना जाता हो पर धरातल पर देखे तो परिणाम बेहद चौंकाने वाले और गंभीर चिंता का कारण है। स्टेट ऑफ ग्लोबल एयर की 2024 की रिपोर्ट की ही माने तो वायु प्रदूषण अकारण मौत का दूसरा सबसे बड़ा कारण बनता जा रहा है। ग्लोबल एयर की ही रिपोर्ट के अनुसार दुनियाभर में सालाना 81 लाख लोग वायु प्रदूषण के कारण मौत का शिकार हो जाते हैं। यदि भारत की ही बात करें तो सालाना 21 लाख लोग वायु प्रदूषण के कारण अपनी जिंदगी की जंग हार जाते हैं। कहा तो यहां तक जाता है कि दुनिया के देशों में होने वाली 8 मौतों में से एक मौत का प्रमुख कारण वायु प्रदूषण है। ऐसा नहीं है कि सरकारें या न्यायालय या विश्व के राजनेता इससे चिंतित नहीं हो, अपितु लाख गंभीरताओं के बावजूद जो परिणाम सामने आ रहे हैं वह कहीं ना कहीं हमारी व्यवस्था की पोल खोल कर ही रख रहे हैं। अब भारत की ही बात की जाए तो सर्वोच्च न्यायालय द्वारा 2017 में एक जनहित याचिका पर निर्णय करते हुए फर्नेस ऑयल और पिटकोक के उपयोग पर रोक लगा दी गई। खासतौर से एनसीआर से जुड़े प्रदेशों दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और उत्तरप्रदेश में यह रोक लगाई गई। इसी के क्रम में उत्तराखण्ड, महाराष्ट्र सहित देश के अनेक प्रदेशों में इसको लेकर गाईड लाईन जारी की जा चुकी है। पर इस सबके बावजूद पेट्रोलियम प्लानिंग एण्ड एनालिसिस सेल के आंकड़े साफ साफ चिढ़ाते हुए नजर आ रहे हैं। इस साल ही अप्रेल, 24 से दिसंबर, 24 तक के आंकड़े बताते हैं कि रोक व सख्ती के बावजूद नौ माह में ही 49 लाख 95 हजार मैट्रिक टन फर्नेस ऑयल और एलएसएचएस का घरेलू उपयोग हुआ है। इसी तरह से पिटकोक का उपयोग 161 लाख 12 हजार मैट्रिक टन रहा है। तस्वीर का एक पहलू यह है कि 1997-98 में देश में 114 लाख 94 हजार मैट्रिक टन फर्नेस ऑयल और एलएसएचएस का उपभोग हो रहा था वहीं 1997-98 में 2 लाख 77 हजार मैट्रिक टन पिटकोक का उपभोग हो रहा था। इसके बाद हालांकि फर्नेस ऑयल व अन्य के उपयोग में उतार चढ़ाव रहा है पर जहां तक पिटकोक के उपयोग में बेतहासा बढ़ोतरी हुई है। खासतौर से रियल एस्टेट ने पिटकोक के उपयोग को कई गुणा बढ़ा दिया है वहीं पिछले कुछ सालों से फर्नेस ऑयल व एलएसएचएस का उपयोग में कोई खास कमी नहीं आ रही है। बल्कि सारी बात साफ होती जा रही है कि वायु प्रदूषण में प्रमुख भूमिका निभा रहे इन दोनों ईंधनों के उपयोग पर जो कार्रवाई न्यायालय के आदेशों की भावना और एनजीटी के प्रयासों से होना चाहिए था वह कम से कम धरातल पर तो दिखाई नहीं दे रही है। दरअसल देखा जाए तो फर्नेस ऑयल व पिटकोक गैर नवीकरणीय जीवाश्म ईंधन है। विशेषज्ञों का तो यहां तक मानना है कि इनका अनुचित स्टोरेज तक भूमि और भूजल दोनों को नुकसान पहुंचाने वाला है। इस ईंधन को जलाने से कितना नुकसान हो सकता है इसकी गंभीरता को आसानी से समझा जा सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि फर्नेस ऑयल के ईंधन के रूप में उपयोग से ग्रीन हाउस में हानिकारक कण फैलते हैं।

महाकुंभः भगदड़ में 30 लोंगों की मौत

आज का राशिफल

मेष : [illegible]

वृषभ : [illegible]

मिथुन : [illegible]

कर्क : [illegible]

सिंह : [illegible]

कन्या : [illegible]

तुला : [illegible]

वृश्चिक : [illegible]

धनु : [illegible]

मकर : [illegible]

कुंभ : [illegible]

मीन : [illegible]

सुडोकू पहेली क्रमांक-5495

		4				6		1
		7	2				8	
		9	3					2
			1					9
6	2	1	5		9	4	7	3
5					4			
4					3	5		
	3				2	8		
1		6				3		

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5494

5	8	9	6	1	7	3	4	2
2	4	1	3	5	9	8	6	7
3	7	6	8	4	2	9	5	1
4	9	2	7	6	8	1	3	5
6	3	8	1	2	5	7	9	4
7	1	5	9	3	4	6	2	8
8	2	3	4	9	1	5	7	6
9	5	7	2	8	6	4	1	3
1	6	4	5	7	3	2	8	9

वर्ग पहेली 5495

संकेत: बाएं से दाएं

1. 1941 को इस भारतीय [illegible] वाले पत्रकार ने जन्म लिया था (5)
5. यह ऑस्ट्रेलिया का सबसे अधिक जनसंख्या वाला शहर है जिसकी स्थापना 12 जून 1829 को हुई थी (2)
6. मास, महीना, तीस दिनों का समय (2)
7. काजल लगा हुआ, अंजनयुक्त (4)
9. शास्त्रीय संगीत में आरम्भ स्वर सूचक शब्द (1)
10. झुका हुआ, प्रणाम करता हुआ (2)
12. बहादुर, सूरमा, योद्धा (2)
15. संतान, वंशज (3)
17. वह जो ब्राह्मणों से अपने धार्मिक कृत्य करवाता है (4)
19. झूले की पेंग, झूमने का भाव, तरंग (3)
20. [illegible] (3)
22. अपनी इच्छानुसार काम करने वाला (4)
25. महाभारत के अनुसार यह दुर्योधन का मंत्री था (3)
26. मुस्लिम पद्धति से विवाह करवाने वाला (2)

ऊपर से नीचे

1. जो मनुष्य के योग्य न हो, क्रूर (5)
2. आत्मा, जान, प्राण-वायु (2)
3. [illegible], सुख-भोग, [illegible] (2)
4. कारण (अंग्रेजी) (3)
5. [illegible] (2)
9. [illegible] की अंतिम फिल्म थी जिसमें प्रदीप कुमार और फिरोजखान भी थे (6)
11. बाजा बजाने वाला, साजिंदा (3)
13. इस्लामी सातवां महीना (3)
14. [illegible] करना, [illegible] करना (3)
16. [illegible], उर्दू का एक अक्षर (2)
18. किसी की प्रतिष्ठा या इज्जत को हानि पहुंचाना (4)
21. प्रसिद्धि, ख्याति, नाम होना (2)
22. सत्ताइस नक्षत्रों में दसवां जो सिंहराशि में लगा हुआ है (2)
23. अवसर, घटना स्थल (2)
24. बड़ी बहन के लिए एक संबोधन, दीदी (2)

वर्ग पहेली 5494 का हल

साहित्य महोत्सव से छोटी काशी ने इतिहास रचा है-बंजारा

❊ साहित्य महोत्सव से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर छोटी काशी का नाम बड़ा है-विधायक डंग ❊ साहित्य वह है जो सबके हित में है-कलेक्टर ❊ सीतामऊ साहित्य महोत्सव ने इतिहास और साहित्य की हर विधा में गागर में सागर भर दिया ❊ त्रिदिवसीय सीतामऊ साहित्य महोत्सव का हुआ समापन

मंदसौर, 01 फ़रवरी गुरू एक्सप्रेस। त्रिदिवसीय सीतामऊ साहित्य महोत्सव का शानदार ज्ञानवर्धक समापन हुआ। महोत्सव का शुभारंभ 30 जनवरी को हुआ था। इन तीन दिवस में सीतामऊनगरी ने अपनी वैभवशाली संस्कृति का गान किया। साहित्य, कला एवं दर्शन क्षेत्र से जुडी देश की जानी मानी हस्तियों की उपस्थिति में मुख्य आयोजन 30, 31 जनवरी व 1 फरवरी को सीतामऊ में किया गया। इतिहास, साहित्य, कला, पर्यावरण, अन्य सभी क्षेत्र में कार्यरत देश की प्रमुख हस्तियां इसमें शामिल हुई। आयोजन को यादगार बनाने के लिए तीन दिवसीय कार्यक्रम में अलग-अलग दिन कई विधाओं से जुडे रुचिकर कार्यक्रम भी किए गए। इतिहास, साहित्य, मुद्राशास्त्र, सिक्कों की यात्रा, सीतामऊइतिहास का प्रदर्शन, यशोधर्मन और हूण संघर्ष का चित्रण, पर्यावरण और सभ्यता पर संवाद, संगीतमय शाम इत्यादि तरह-तरह के आयोजन हुए। चंबल नदी में सफारी, पक्षियों को देखने के साथ ट्रैकिंग की गई।

तृतीय दिवस महोत्सव की शुरुवात प्रात: 10:30 बजे से श्री कल्ला जी वैदिक विश्वविद्यालय, राजस्थान के संस्थापक डॉ वीरेंद्र कृष्ण शास्त्री द्वारा भारतीय सांस्कृतिक परम्परा में शक्ति एवं शक्तिपीठ के विषय पर व्याख्यान के साथ प्रारंभ की गई। महोत्सव के दौरान मालवी संगोष्ठी का आयोजन किया गया। मालवी संगोष्ठी श्री बृजेश जोशी, श्रीमती माया बदेका, श्रीमती यशिता दवे, श्री नरेंद्र त्रिवेदी, श्री नरेंद्र भावसार, श्री नंदकिशोर राठौर, श्रीमती रुपाली, श्री गोपाल बैरागी, श्री बंशीलाल टांक द्वारा आयोजित की गई। संगोष्ठी संस्कार, संस्कृति, लोक संस्कृति पर केंद्रित रही। पैरामाउंट एकेडमी सीतामऊ के बच्चों द्वारा नृत्य प्रस्तुत किए गए। महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर के इतिहास विभाग के पूर्व अध्यक्ष एवं डीन श्री शिव कुमार भनोट द्वारा डॉ. रघुवीर सिंह के ऐतिहासिक योगदान के विषय पर व्याख्यान दिया। एडिनबर्ग विश्वविद्यालय, स्कॉटलैंड लेखिका डॉ.यशस्विनी चंद्रा द्वारा युद्ध में घोडे विषय पर वर्च्यूअल व्याख्यान दिया। कहानी लेखन प्रतियोगिता के तीन विजेताओं को पुरस्कार वितरण किया गया। साथ ही मंदसौर की वनस्पतियों और जीवों के प्रकाशन पर पुस्तक के बारे में सीईओ श्री प्रभांशु द्वारा जानकारी दी गई। समापन अवसर पर पूर्व विधायक श्री राधेश्याम पाटीदार, श्री निहालचंद मालवीय, श्री अनील पांडे, नगर परिषद अध्यक्ष/ उपाध्यक्ष, जनपद पंचायत अध्यक्ष/ उपाध्यक्ष सहित सभी जनप्रतिनिधि, एसडीएम श्रीमती शिवानी गर्ग, जनपद सीईओ श्री प्रभांशु, जिला अधिकारी, ब्लॉक स्तरीय अधिकारी, बडी संख्या में श्रोता, विद्यार्थी, पत्रकार मौजूद थे। समापन अवसर पर मध्य प्रदेश राज्य विमुक्त घुमक्कड एवं अर्ध घुमक्कड जाति विकास अभिकरण के अध्यक्ष श्री बाबूलाल बंजारा (कैबिनेट मंत्री दर्जा) द्वारा कहा गया कि, साहित्य महोत्सव से छोटी काशी ने इतिहास रचा है। पहले कपडे कैसे बनते थे, कैसे उनका परिवहन होता था। इतिहास की विस्तार से जानकारी प्रदान की। एक समय था जब पूरे भारत में बैलगाडी से परिवहन होता था और यह परिवहन का काम बंजारा समुदाय के लोग किया करते थे। इतिहास में बंजारा समाज का बहुत महत्वपूर्ण योगदान है। विधायक श्री डंग द्वारा कहा गया कि साहित्य महोत्सव से आज छोटी काशी सीतामऊका महत्व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ गया है। साहित्यकार, इतिहासकार, पर्यावरण विद से सबको सीखने को मिला। बंजारा समाज का देशभक्ति का इतिहास देखें। उनके जज्बे को देखें। देश के लिए काम नहीं आए तो यह जीवन व्यर्थ हैं, इतिहास उन्हीं को याद करता है, जो जीवन में अच्छा काम करते हैं। इसलिए देश के लिए काम करें, देश सेवा से बडा कोई काम नहीं।

कलेक्टर श्रीमती गर्ग ने साहित्य महोत्सव कार्यक्रम का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस वर्ष 26 जनवरी गणतंत्र दिवस की थीम थी, विरासत और विकास। इस थीम को एक रूप और आकार दिया गया। थीम को विरासत से जोडा गया। इस तरह की आयोजन हर साल होते रहे, साहित्य वह है जो सबके हित में होता है। तीन दिवसीय महोत्सव के आयोजन का सभी ने लुफ्त उठाया। लोग आपस में जुडे, यादें लेकर गए। सभी को सीखने का अवसर मिला। अलग-अलग क्षेत्र के विद्वानों से कुछ नया-नया जानने को मिला। सौंदर्य की झलक, इतिहास के अनुभव, सिक्कों से कहानी मिली, पर्यावरण संरक्षण की बातें मिली, तारों और विचारों पर चर्चा मिली। विचारों को नई ऊर्जा और प्रवाह मिली।

सीतामऊ महोत्सव में ऐतिहासिक धरोहरों और वन्य प्राणियों के छायाचित्रों की प्रदर्शनी को मिली सराहना

मंदसौर, 01 फ़रवरी गुरू एक्सप्रेस। सीतामऊमहोत्सव के दौरान संयुक्त कलेक्टर राहुल चौहान द्वारा अपने कैमरे में क़ैद किए गए ऐतिहासिक धरोहरों और वन्य प्राणियों के छायाचित्रों की प्रदर्शनी को काफी सराहना मिली। उनकी शौकिया फोटोग्राफी में प्राकृतिक सौंदर्य, वन्य जीवन और ऐतिहासिक विरासत का अद्भुत समन्वय देखने को मिला। जिससे दर्शकों को विरासत और पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी मिला। प्रदर्शनी में प्रदर्शित छायाचित्रों को सराहे जाने से यह स्पष्टहोता है कि लोग अपनी सांस्कृतिक विरासत और प्रकृति की सुंदरता को संजोने के प्रति रुचि रखते हैं। ऐसे आयोजन न केवल कला और फोटोग्राफी के महत्व को उजागर करते हैं, बल्कि पर्यावरण और ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण की दिशा में जागरूकता भी बढाते हैं। राहुल चौहान शौकिया तौर पर फोटोग्राफी का काम करते हैं और यदा कदा उन्हें अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट करते रहते हैं। श्री चौहान बतलाते हैं कि जब यह बात मंदसौर कलेक्टर अदिति गर्ग के संज्ञान में आई तो उन्होंने कहा कि सीतामऊमहोत्सव ऐसे ही कलाकारों को प्रोत्साहित करने का आयोजन है। इसमें आपको जरूर अपने कार्यों कों पब्लिक करना चाहिए। इस तरह ये प्रदर्शनी लगाने के काम ने मूर्त रूप धारण किया।संयुक्त कलेक्टर राहुल चौहान द्वारा लिए गए चंबल वैली के छायाचित्रों ने सीतामऊमहोत्सव में दर्शकों का ध्यान खींचा। उनके कैमरे ने चंबल घाटी की अद्भुत प्राकृतिक सुंदरता, वहां की वनस्पति, दुर्लभ वन्यजीवों को खूबसूरती से कैद किया। गांधीसागर में चंबल नदी के शांत जल, घाटियों और घने जंगलों की खूबसूरती, रहस्यमयी इतिहास और समृद्ध जैव विविधता को इन छायाचित्रों ने इसकी अनूठी विरासत को जीवंत कर दिया। रॉक पेंटिंग्स (शैल चित्रों) की छवियों ने भी लोगों का ध्यान आकर्षित किया। ये प्राचीन चित्र चंबल घाटी और उसके आसपास की गुफाओं व चट्टानों पर पाए जाते हैं, जो हजारों साल पुराने मानव सभ्यता के प्रमाण माने जाते हैं। इनमें शिकार के दृश्य, युद्ध की झलक, पशु-पक्षी, मानव आकृतियाँ और दैनिक जीवन से जुडी गतिविधियाँ शामिल थीं. ये चित्र प्राकृतिक रंगों से बनाए गए हैं, जिनमें गेरुआ, काला, सफेद और पीला प्रमुख हैं। ये रॉक पेंटिंग्स न केवल प्राचीन मानव सभ्यता की झलक दिखाती हैं, बल्कि इतिहास और कला प्रेमियों के लिए शोध और अध्ययन का महत्वपूर्ण स्रोत भी हैं। धर्मराजेश्वर मंदिर के छायाचित्र इस महोत्सव की प्रमुख आकर्षण रहे। इन चित्रों ने मंदिर की ऐतिहासिक भव्यता और प्राकृतिक सौंदर्य को जीवंत कर दिया। यह मंदिर चंबल घाटी के ऐतिहासिक और धार्मिक स्थलों में से एक है और अपनी अद्भुत शिल्पकला व प्राकृतिक वातावरण के लिए प्रसिद्ध है।यह मंदिर एकाश्मीय (एक ही चट्टान को काटकर बनाए गए) गुफा मंदिर है, जो भीमबेटका और एलीफेंटा गुफाओं की तरह ही अद्भुत शिल्पकला को दर्शाता है।यहाँ भगवान शिव की शिवलिंग विराजमान है, जिसे भक्त धर्मराजेश्वर महादेव के रूप में पूजते हैं। माना जाता है कि यह मंदिर 5वीं से 6वीं शताब्दी के दौरान गुप्त काल में बनाया गया था।संयुक्त कलेक्टर राहुल चौहान द्वारा ली गई बौद्ध गुफाओं के छायाचित्रों ने इतिहास प्रेमियों को आकर्षित किया। इन तस्वीरों में गुफाओं की अनूठी वास्तुकला, मूर्तिकला और प्राकृतिक सौंदर्य को बारीकी से कैद किया गया, जिससे दर्शकों को बौद्ध संस्कृति और विरासत को करीब से समझने का मौका मिला।

लोटस वैली स्कूल में नेहरू प्लैनेटेरियम भोपाल द्वारा स्टार गेजिंग कार्यक्रम संपन्न

मंदसौर, 01 फ़रवरी गुरू एक्सप्रेस। मंदसौर नगर की अग्रणी शिक्षण संस्था लोटस वैली स्कूल मंदसौर में नेहरू प्लैनेटेरियम भोपाल के सहयोग से स्टार गेजिंग कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जिला कलेक्टर श्रीमती अदिति गर्ग की पहल पर हुए इस आयोजन का लोटस वैली स्कूल मंदसौर के विद्यार्थियों के साथ ही केंद्रीय विद्यालय मंदसौर के चयनित विद्यार्थियों ने भी लाभ उठाया।

लोटस वैली स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में वरिष्ठ खगोल वैज्ञानिक व्याख्याता श्री नटराजन ने बच्चों को तारामंडल की जानकारी दी। विभिन्न प्रकार के उपकरणों के सहारे बच्चों ने आसमान में तारों की दुनिया को करीब से देखा और उनके बारे में जाना। विद्यार्थियों ने खगोल विज्ञान से जुडे अनेक प्रश्न भी किए, जिनका जवाब भी श्री नटराजन द्वारा दिया गया। बच्चों ने आसमान में तारों की स्थिति, उनकी गति, क्रम सहित विभिन्न आयामों के बारे में रोचक जानकारियां इस कार्यक्रम के माध्यम से प्राप्त की। कार्यक्रम के प्रारंभ में माता सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलन किया गया। वैज्ञानिक श्री नटराजन एवं अन्य आगंतुकों का स्वागत प्राचार्य श्रीमती विभा आचार्य और उप प्राचार्य श्री आलोक शर्मा ने किया। इस अवसर पर सेंट्रल स्कूल की प्राचार्य श्रीमती नीलांजली प्रसाद भी उपस्थित थी। अंत में आभार सुश्री अनन्या आचार्य ने माना।

सी एम राइज स्कूल में विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा के संबंध में दी जानकारी

पिपलियामंडी, 01 फ़रवरी गुरू एक्सप्रेस। मध्य प्रदेश पुलिस द्वारा दिनांक 1 से 11 फरवरी 2025 तक सेफ क्लिक अभियान साइबर अपराधों कर प्रति जागरूकता के संदर्भ में संचालित किया जा रहा है।

जिसके अंतर्गत प्रति दिवस साइबर सुरक्षा जागरूकता से संबंधित गतिविधियां संचालित करने के लिए निर्देश दिए गए है। एसडीओपी मल्हारगढ नरेंद्र सोलंकी और थाना प्रभारी मल्हारगढ राजेंद्र कुमार पवार द्वारा मल्हारगढ सी एम राइज स्कूल मे अध्यनरत छात्र एवं छात्राओं को साइबर सुरक्षा के संबंध में रखने वाली जानकारी के बारे में विस्तार से समझाया गया तथा इंटरनेट का उपयोग करते समय क्या करें और क्या ना करें के संबंध में आवश्यक उपाय बताए गए। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं ने डिजिटल अरेस्ट एवं इंटरनेट के उपयोग के संबंध प्रश्न पूछे। कार्यक्रम में सीएम राइज स्कूल के प्राचार्य अशोक वाघेला एव शिक्षकगण उपस्थित रहे।

डामरीकरण रोड़ निर्माण कार्य का हुआ भूमिपूजन

विधायक जैन, नपाध्यक्ष श्रीमती गुर्जर, भाजपा मण्डल अध्यक्ष सारस्वत ने किया भूमिपूजन

मंदसौर, 01 फ़रवरी गुरू एक्सप्रेस। शनिवार को नपा परिषद मंदसौर के द्वारा वार्ड नं. 8 जनता कॉलोनी में लगभग 16 लाख रुपये की लागत से होने वाले डामरीकरण कार्य का भूमिपूजन किया गया। विधायक श्री विपिन जैन, भाजपा उत्तर मण्डल अध्यक्ष श्री अरविन्द सारस्वत के मुख्य आतिथ्य, नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर की अध्यक्षता एवं शिक्षाविद् श्री गोपाल पटवा, श्री रमेशचन्द्र चन्द्रे, श्री सुरेन्द्रसिंह खेजड़िया के विशेष आतिथ्य में यहां

भूमिपूजन कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस भूमिपूजन कार्यक्रम में नपा लोक निर्माण सभापति श्रीमती निर्मला चंदवानी, पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्री मनजीतसिंह मनी, क्षेत्रीय पार्षद प्रीतम पंचोली, जिला प्रेस क्लब के कोषाध्यक्ष श्री राहुल सोनी, पूर्व पार्षद डॉ. प्रीतिपालसिंह राणा, सुरेश भावसार, रमेशदत्त शर्मा, नपा सभापति निलेष जैन, भाजपा महिला नेत्री श्रीमती बिन्दू चन्द्रे, पार्षद दीपक गाजवा, गरिमा भाटी, कांग्रेस नेता राजेन्द्र सेठिया, कांग्रेस मण्डलम अध्यक्ष अजय मारू, पूर्व पार्षद सुदीप पारीख, युवा नेता राजेश गुर्जर, पत्रकार गोपाल मंगोलिया, क्षेत्रीय नागरिक मंगल ठाकुर, विवेक पालीवाल, गेंदालाल जैन, धर्मेन्द्र रामावत, भंवरसिंह ठाकुर, रमेश नागदा, आशीष नागदा सहित कई गणमान्य नागरिकगण उपस्थित थे। विधायक श्री जैन, नपाध्यक्ष श्रीमती गुर्जर एवं भाजपा मण्डल अध्यक्ष श्री सारस्वत का भूमिपूजन अवसर पर क्षेत्र के नागरिकों के द्वारा पुष्पमाला पहनाकर विशेष स्वागत सम्मान किया गया। उल्लेखनीय है कि नगरपालिका द्वारा श्री सुरेन्द्रसिंह खेजडिया के निवास स्थान से श्रीकृष्ण मंदिर तक व जनता कॉलोनी के दो अन्य मार्गों पर डामरीकरण कार्य किया जायेगा।

विधायक श्री जैन ने इस अवसर पर नपा परिषद को जनता कॉलोनी में डामरीकरण कार्य शुरू करने पर शुभकामनाये दी। नपाध्यक्ष श्रीमती गुर्जर ने कहा कि क्षेत्र के नागरिको की जो भी अपेक्षाये है नपा उसे अवश्य पूर्ण करेगी। संचालन क्षेत्रीय पार्षद प्रीतम पंचोली ने किया तथा आभार पूर्व पार्षद सुरेश भावसार ने माना।

नपा कर्मचारी सेवाकाल में अपने कर्तव्यों का पालन करें- श्रीमती गुर्जर

मंदसौर, 01 फ़रवरी गुरू एक्सप्रेस। नगरपालिका के कर्मचारियों को अपने सेवाकाल के दौरान अपने कर्तव्यों का सही तरीके से पालन करना चाहिये। नपा कर्मचारियों को जनप्रतिनिधियों एवं वरिष्ठ अधिकारियों के साथ संवाद रखते हुए जनता की आकांक्षाओं पर खरे उतरने का कार्य करना चाहिये।

उक्त उद्गार मंदसौर नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर ने नपा सभागृह में नपा के दो कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति के अवसर पर कहे। आपने जनवरी माह के अंतिम दिवस नपा के भृत्य पद से सेवानिवृत्त हो रहे नाथुलाल पिता अमृतलाल व रामचन्द्र पिता रूघनाथ की सेवानिवृत्ति पर उन्हें आगामी जीवन सुखपूर्वक व्यतीत हो इसकी शुभकामनाये दी और दोनों कर्मचारियों का शाल श्रीफल भेंटकर सम्मान किया। इस अवसर पर नपा कार्यपालन यंत्री पी.एस. धारवे, नपा कार्यालय अधीक्षक अजय मारोठिया एवं स्थापना शाखा लिपिक विनोद गुर्जर सहित कई कर्मचारीगण भी उपस्थित थे। संचालन धर्मेन्द्र सोनगरा ने किया।

स्वच्छता सर्वेक्षण की तैयारियों को लेकर नपाध्यक्ष श्रीमती गुर्जर ने निरीक्षण किया

मंदसौर, 01 फ़रवरी गुरू एक्सप्रेस। आगामी समय में भारत सरकार के निर्देशों के अनुसार स्वच्छता सर्वेक्षण 2025 प्रारंभ होने जा रहा है। इसके अंतर्गत भारत के सभी शहरों की स्वच्छता रैंकिंग होना है। मंदसौर नगरपालिका को भी इस रैंकिंग में उच्च स्थान प्राप्त हो तथा मंदसौर नगर पूरे देश व प्रदेश में अपना नाम गौरवान्वित करे इसके लिये नगरपालिका का अमला जुटा हुआ है। नगरपालिका की सफाई कार्य को देखने के लिए नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर व स्वास्थ्य समिति सभापति श्रीमती दीपमाला रामेश्वर मकवाना प्रतिदिन प्रात:काल एवं दोपहर की पाली में स्वच्छता कार्य को देखने के लिये आकस्मिक रूप से विभिन्न वार्डों का भ्रमण कर रही है। कल नपाध्यक्ष श्रीमती गुर्जर ने स्वास्थ्य समिति सभापति श्रीमती दीपमाला मकवाना, लोक निर्माण सभापति श्रीमती निर्मला चंदवानी, पार्षद सुनीता भावसार के साथ वार्ड नं. 6 का आकस्मिक निरीक्षण किया। इसी प्रकार वार्ड नं. 32 खानपुरा क्षेत्र में भी वार्ड पार्षद श्रीमती भावना पमनानी, स्वास्थ्य समिति सभापति दीपमाला मकवाना, स्वास्थ्य अधिकारी हेमचंद शर्मा, पार्षद प्रतिनिधि बब्बू पमनानी, युसुफ गौरी, राजेश गुर्जर के साथ निरीक्षण किया और सफाई व्यवस्था के संबंध में प्रभारी सफाई दरोगाओं को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिये।

नपाध्यक्ष श्रीमती गुर्जर ने नपा कर्मचारियों को कहा कि इस बार नपा को पूरे देश में बेहतर रैंकिंग मिले इसके लिये कर्मचारीगण अभी से इसकी तैयारियों में जुट जाये। नागरिकों से गिला व सूखा कचरा अलग-अलग रखने का आग्रह करे ताकि मंदसौर नगरपालिका को अच्छी रैंकिंग मिले, कर्मचारीगण अपने वार्ड की सफाई पर विशेष ध्यान न दे। नागरिकों का भी स्वच्छता कार्य में सहयोग मिले।

रासेयो स्वयंसेवक देवांश मालवीय राष्ट्रीय एकता शिविर जयपुर में करेंगे मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व

मंदसौर, 01 फ़रवरी गुरू एक्सप्रेस। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस, शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मंदसौर की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयं सेवक देवांश मालवीय, बी.ए. (द्वितीय वर्ष) के छात्र का चयन राष्ट्रीय एकता शिविर, जयपुर में सहभागिता हेतु हुआ है। वे 3 फरवरी से 9 फरवरी 2025 तक राष्ट्रीय एकता शिविर जयपुर में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व कर सहभागिता करेंगे।

प्राचार्य डॉ. जे.एस. दुबे ने बताया कि देवांश मालवीय शिविर के दौरान राजस्थान की संस्कृति, विरासत और धरोहर के साथ-साथ देश के विभिन्न प्रांतों से आए स्वयंसेवकों की संस्कृति, भाषा एवं खानपान से परिचय प्राप्त करेंगे और शिविर में आयोजित गतिविधियों में भाग लेकर नेतृत्व, राष्ट्र व समाज सेवा, चारित्रिक विकास व व्यक्तित्व निर्माण के विभिन्न पहुलवों को सीखेंगे। स्वयंसेवक देवांश मालवीय का राष्ट्रीय एकता शिविर, जयपुर में चयन होने पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. जे.एस. दुबे, जिला संगठक रासेयो डॉ.के.आर. सूर्यवंशी, कार्यक्रम अधिकारी रासेयो डॉ.अनिल कुमार आर्य समेत महाविद्यालय के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं एन.एस.एस. इकाई के स्वयंसेवकों द्वारा बधाई व शुभकामनाएं प्रेषित की गई।

दशनाम गोस्वामी समाज मंडल की बैठक सम्पन्न

नारायणगढ़, 01 फ़रवरी गुरू एक्सप्रेस। नीलकंठ धाम मठ शिव मंदिर कितुखेडी में रखा गया जो महंत भेरुपुरीजी ढाबला की अध्यक्षता में श्री भगवान दत्तात्रय एवं स्वर्गीय महंत श्री रामपुरी जी गोस्वामी के आज 100 वें जन्मदिन (जयंति) पर पूजा अर्चना कर आरंभ की गई। बैठक में मण्डल के दिवंगत महंतों द्वारा समाज हित में किये गये कार्यों कों मार्गदर्शक के रूप में याद किया गया। मंदसौर दसनाम गोस्वामी समाज मण्डल नारायण गढ के मण्डल महंत श्री मुकेश गिरीजी द्वारा आज 29 जनवरी 2025 को एक बैठक का आयोजन नीलकंठ धाम मठ शिव मंदिर कितुखेडी में रखा गया जो महंत भेरुपुरीजी ढाबला की अध्यक्षता में श्री भगवान दत्तात्रय एवं स्वर्गीय महंत श्री रामपुरी जी गोस्वामी के आज 100 वें जन्मदिन (जयंति) पर पूजा अर्चना कर आरंभ की गई। बैठक में मण्डल के दिवंगत महंतों द्वारा समाज हित में किये गये कार्यों कों मार्गदर्शक के रूप में याद किया गया। बैठक में मण्डल के उपस्थित सम्माननीय सदस्यों द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव जिनमें सामाजिक परम्पराओं अनुरुप पहनावा /सामूहिक विवाह अंर्तजातीय विवाह करने पर युवक-युवतियों से रिश्ता रखने वाले परिजनों का सामाजिक बहिष्कार संबंध कर विच्छेद करने पर रोक हेतु नियम लिये गये निर्णय मंडल के समाज के सदस्यों द्वारा लागू किये जाने पर धन्यवाद प्रस्ताव पर सर्व सम्मति से स्वीकृती दी गई।

मध्यमवर्गीय, युवा ,गरीब, किसान, महिला एवं व्यापारियों के लिए राहत वाला बजट-डांगी

मंदसौर, 01 फ़रवरी गुरू एक्सप्रेस। इस बजट में महिलाओं, युवाओं और वरिष्ठ नागरिकों के लिए कई एलान किए गए हैं। इस बार सबसे बडी बात यह रही कि टैक्स स्लैब में बदलाव की घोषणा की गई है अब 12 लाख रुपए तक की सालाना कमाई तक कोई टैक्स नहीं देना होगा। । इलेक्ट्रिक उपकरण एवं इलेक्ट्रिक वाहनों में राहत मिलेगी इसके साथ ही जन उपयोगी दवाईयो और कपडो और हैंडलूम में भी राहत मिलेगी । वहीं बजट में, वरिष्ठ नागरिकों के लिए ढउड्ड सीमा 50,000 से बढ़ाकर 1,00,000 करके वरिष्ठजनो को सम्मान दिया गया, इसके साथ ही मुख्य रूप से इस बजट में मध्यम वर्गीय ,गरीब, युवा, अन्नदाता और महिलाओ को ध्यान में रखते हुए विभिन्न क्षेत्रों को कवर किया गया है। इनमें कृषि विकास ,ग्रामीण संपन्नता और विनिर्माण ,मेक इन इंडिया,, एमएसएमई, रोजगार और विकास.नवाचार जैसे कई महत्वपूर्ण मुद्दे शामिल है।

मोदी सरकार का बजट युवाओं, किसानों एवं मध्यम वर्ग के लिये कल्याणकारी बजट है-जैन

मंदसौर, 01 फ़रवरी गुरू एक्सप्रेस। पूर्व नपा उपाध्यक्ष श्री सुनील जैन महाबली ने मोदी सरकार के वर्ष 2025-26 के बजट को युवाओं, किसानों एवं मध्यम वर्ग के लिये कल्याणकारी बजट बताया है। बजट पर अपनी राय व्यक्त करते हुए श्री जैन ने प्रेस वक्तव्य में कहा कि मध्यमवर्गीय परिवारों को बडी राहत देते हुए आयकर की सीमा 12 लाख रू. वार्षिक की है। नौकरीपेशा व्यक्तियों के लिये यह सीमा 12.75 लाख रू. की गई है। पहले आयकर की सीमा 7 लाख रू. वार्षिक थी। इंक्मटेक्स की स्लेब में इस परिवर्तन से अब 1 लाख रूपये तक कमाने वाले को भी राहत मिली है जो ऐतिहासिक कदम है। श्री जैन ने कहा कि मोदी सरकार का वर्ष 2025-26 का बजट आम आदमी, गरीब, मध्यम वर्ग, महिला, किसान, युवा सभी के लिये कल्याणकारी बजट है। यह बजट देश के विकास के लिये कल्याणकारी होने के साथ ही देश के विकास में मिल का पत्थर साबित होगा।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	60	2160	2411
उडद	8	4601	4851
सोयाबीन	2799	3610	4285
गैहु	1596	2860	3080
चना	40	4001	5500
मसुर	28	5591	6000
धनिया	328	4590	7000
लहसुन	15000	2590	12100
मैथी	207	4201	5401
मुंगफली	1010	3880	4971
अलसी	795	5600	5901
सरसो	317	4700	5390
तारामीरा	1	4432	4432
इसबगोल	54	7500	11800
प्याज	4500	610	1991
कलोंजी	8	13000	16500
तुलसी बीज	2	15250	15250
डॉलर	7	4911	7281
तिल्ली	17	7570	8770
जौ	9	2510	2615
मटरसुखी	1	5900	5900
असालीया	64	8350	9040
चियाबीज	38	13051	15400

निक्षय मित्रों, टीबी चैंपियन्स तथा क्षय मरीजों का उप मुख्यमंत्री ने किया सम्मान

मंदसौर, 01 फ़रवरी गुरू एक्सप्रेस। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र टकरावद के अस्पताल परिसर मे सौ दिवसीय निक्षय अभियान के अंतर्गत सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमे उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवडा की गरिमामयी उपस्थिति मे निक्षय मित्रों, टीबी चौंपियन्स तथा क्षय मरीजों का सम्मान किया गया। साथ ही नए निक्षय मित्रो के द्वारा टीबी मरीजो को फ़ूड बास्केट (प्रोटीन रीच डाइट) का वितरण किया गया। कार्यक्रम में अस्पताल स्टाफ, क्षेत्र की आशा कार्यकर्तायें क्षेत्रीय जनप्रतिनिधिगण सहित बडी संख्या में क्षेत्रीय नागरिको की उपस्थिति रही।

निक्षय मित्र अभियान – राज्यपाल महोदय के अर्द्धशासकीय पत्र अनुसार प्रधानमंत्री टी.बी. मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा क्षय रोगियों को सामुदायिक सहायता (कम्यूनिटी

इंगेजमेंट) प्रदान करने हेतु निर्वाचित जनप्रतिनिधियों, अशासकीय संगठनो, विशिष्ट व्यक्ति एवं निजी संस्थानों को निक्षय मित्र बनाया जाकर उनकी सहभागिता से क्षय रोगियों को फ़ूड बास्केट पोषण की सहायता प्रदान की जाती हैं। फ़ूड बास्केट में मुंग दाल, चना, मूंगफली, दलीया, राजमा, चवला, मुंगबडी, सोयाबडी आदि पोष्टिक आहार टीबी मरीजो को प्रदान किया जाता हैं।

रिकॉर्ड:- एक ही दिन में टकरावद सेक्टर में बने 19 निक्षय मित्र- जन आरोग्य समिति प्रा.स्वा.केंद्र टकरावद के अध्यक्ष श्रीमती उषा महेंद्र पाटीदार तथा संस्था प्रमुख डॉ. आसिफ खान द्वारा समिति की मासिक बैठक में सदस्यों तथा जन समुदाय से निक्षय मित्र बनने हेतु अपील की गई थी। जिसका असर देवडा जी के कार्यक्रम में देखने को मिला और रिकॉर्ड 19 निक्षय मित्र टीबी मरीजो की सेवा के लिए स्वेच्छा से आगे आए।

ये बने निक्षय मित्र– श्री महेंद्र पाटीदार टकरावद, श्री शरद जैन संजीत, श्री राजेंद्र सिंह राणा सिन्दपन, श्री दिलीप सिंह बोराना आरडी, श्री अनिल चौहान टकरावद, श्री दीपक शर्मा चिल्लोद पिपलिया, श्री अर्जुन सिंह रणायरा, श्री अरुण कारपेंटर बिल्लोद, श्री सुरेन्द्र गौड मंदसौर, श्री संजय मालवीय टकरावद, श्री मुन्नालाल लोहार टकरावद, श्री राजेश प्रजापति, श्री उदयराम परिहार, श्रीमती कविता झमकलाल पाटीदार टकरावद, श्री अजय जैन, श्री राजेंद्र जोशी, श्रीमती संगीता ठाकुर, सुश्री साधना बघेल, श्री रमेश राठौर तलावपिपलिया। कार्यक्रम का संचालन फार्मासिस्ट रामप्रसाद धनगर तथा आभार सुरेन्द्र पाटीदार (सेक्टर सुपरवाइजर) के द्वारा व्यक्त किया गया।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे से जाने वालों के लिए अलर्ट, पथराव और लूट की घटनाएं बढ़ी, पुलिस ड्रोन से रखेगी नजर

रतलाम, 01 फ़रवरी गुरू एक्सप्रेस। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे के रतलाम जिले की सीमा में रावटी व शिवगढ़ थाना क्षेत्र के करीब 15 किलोमीटर क्षेत्र में आए दिन वाहनों पर पथराव व लूट की वारदातें होती रहती है। दो दिन पहले भी लुटेरों ने एक वाहन में सवार लोगों को लूटने का प्रयास किया था। वाहन एक्सप्रेस-वे के गश्ती दल का होने से लुटेरे वारदात नहीं कर पाए। इसके पहले कई बार वाहनों पर पथराव की घटनाएं हो चुकी हैं। पुलिस ने हाईवे पर गश्त बढा दी है। वहीं पथराव व लूट की वारदातों पर अंकुश लगाने तथा बदमाशों को पकडने के लिए ड्रोन कैमरें से निगरानी रखी जाएगी।

नाइट विजन के हाई क्वालिटी ड्रोन से होगी निगरानी–नेशनल हाईवे अथारिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) ने दो ड्रोन खरीदने की स्वीकृत दी है। पुलिस एक-दो सप्ताह में नाइट विजन के हाई क्वालिटी के ड्रोन खरीदकर उनसे निगरानी शुरू करेगी। मंदसौर के बाद रतलाम होकर झाबुआ होते हुए दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे मुंबई की तरफ जाता है।

15 किमी क्षेत्र में होती हैं पथराव और लूट की वारदातें–रतलाम जिले का करीब 90 किलोमीटर का एरिया आता है। मंदसौर व रतलाम एरिया का काम लगभग पूरा होने के साथ ही करीब डेढ वर्ष पहले इस पर आवागमन भी शुरू कर दिया गया है। जिले में रावटी व शिवगढ़ थाना क्षेत्र के करीब 15 किलोमीटर के एरिया में बदमाश पथराव व लूट की वारदातों को अंजाम देते हैं।

पुलिस की गश्त का नहीं दिखता असर–हाईवे पर कई बार वाहनों पर पथराव व लूट की वारदातें हो चुकी है। यात्रियों के सुरक्षा देने के लिए एनएचएआई के दल गश्त करते हैं। वहीं पुलिस भी गश्त करती है। गश्ती दल के आने के पहले या गश्त कर जाने के बाद बदमाश वाहनों पर पथराव कर वारदातें करते हैं।

सात लाख रुपये से खरीदे जाएंगे ड्रोन–रात के अंधेरे में वारदात कर बदमाश भाग जाते हैं। हर जगह सीसीटीवी कैमरे नहीं होने से कई बार बदमाशों की पहचान भी नहीं हो पाती है। इसलिए अब बदमाशों की पहचान करने के लिए ड्रोन की मदद ली जाएगी। जानकारी के अनुसार पुलिस करीब सात लाख रुपये की लागत से हाई क्वालिटी के दो ड्रोन खरीदेगी।

मोबाइल फोन पर भी देखे जा सकेंगे–ड्रोन उच्च क्वालिटी के होंगे तथा उनमें वीडियो-फोटो एचडी में ही बनेंगे। फोटो की क्वालिटी ऐसी होगी कि उनमें जमीन पर दिखने वाले व्यक्ति को नाइट विजन कैमरा ज़ूम करके रात में भी स्पष्ट रूप से देखकर पहचाना जा सकेगा। कैमरों की उच्च गुणवत्ता होने से उन्हें वाईफाई से जोड़कर अधिकारियों के मोबाइल फोन से कनेक्ट किया जाएगा तथा वे गतिविधियों को दो किलोमीटर तक की रेंज में देख सकेंगे। ड्रोन पुलिस कंट्रोल रूम से भी जोडा जाएगा। नाइट विजन कैमरों से निगरानी के लिए एक्सपर्ट को बुलाया जाएगा। वे स्थानीय पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को प्रशिक्षण देंगे तथा कुछ समय उनके साथ रहेंगे।

नाइट विजन कैमरे से लैस होंगे–ड्रोन नाइट विजन कैमरे से लैस होंगे। वे ऊपर उड़ने के बावजूद जमीन पर होने वाली पत्थरबाजी के बदमाशों की गतिविधियों को थर्मल इमेज के जरिये कैप्चर कर लेंगे। वैसे ज्यादातर घटनाएं रावटी व शिवगढ़ थाना क्षेत्र के करीब 15 किलोमीटर क्षेत्र में होती हैं। वहीं नामली व सैलाना थाना क्षेत्र के भी कुछ स्थानों पर लूट व मारपीट की घटनाएं हो चुकी हैं। पुलिस ने नामली के पास से लेकर झाबुआ जिले की सीमा तक सात स्थानों को चिह्नित किया है, जहां विशेष निगरानी की जाएगी।

पुलिस ने कानवाय शुरू किया–कानवाय शुरू कर दी गई है, शीघ्र ड्रोन शुरू करेंगे एक्सप्रेस-वे पर वाहनों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक छोड़ने के लिए कानवाय शुरू कर दी गई है। गश्त बढ़ाई गई है। जल्द ही ड्रोन से निगरानी भी शुरू की जाएगी।

राकेश खाखा, एएसपी

केंद्रीय बजट में जो सामान सस्ता करना प्रस्तावित किया है क्या वे बाजार में सस्ते मिलेंगे..?

नकली सामान देश में नहीं बिक सकेंगे यह क्यों प्रस्तावित नहीं किया जाता

मंदसौर, 01 फ़रवरी गुरू एक्सप्रेस। प्रति वर्ष केंद्रीय व राज्य के प्रस्तुत किये जाने वाले बजट के प्रति नागरिकों का आकर्षण इस बात को लेकर रहता है कि महंगाई के दौर में कौन सी चीज या सामान पर टैक्स कम होकर वह सस्ता मिलेगा।अब यह बात भी जानकारों में खोज का विषय है कि टैक्स कम होने के बावजूद बाजार में कौनसा सामान सस्ता हुआ। ऐसा टैक्स कम करने का भी क्या मतलब जब बाजार में वह नागरिकों को कम मूल्य पर नहीं मिलता हो। 150 करोड़ की आबादी के देश में 22 लाख लोगों को नौकरी क्या यह ऊंट के मुंह में जीरा नहीं तो और क्या है। बजट में नकली माल पर रोक की कोई ठोस घोषणा की हर वर्ष अपेक्षा रहती चली आ रही है। 12 लाख रु तक की आय आयकर से मुक्त का प्रस्ताव बहुत ही प्रशंसनीय है।

महावीर अग्रवाल

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारामण ने संसद में कल प्रस्तुत किये बजट में इलेक्ट्रिक सामान, मोबाइल, बैट्री, जीवन रक्षक दवाइयां, मेडिकल उपकरण, एलसीडी, एलईडी, मेडिकल उपकरण आदि कई सामान पर से ड्यूटी कम करना प्रस्तावित किया है। पिछले बजट में भी इसी प्रकार सोना आदि सहित कई सामान पर से टैक्स कम करने की घोषणा हुई थी। उपभोक्ता बाजार में वे सस्ते सामान अभी तक ढूंढ रहे हैं लेकिन उसे मिले नहीं और अभी फिर सस्ते सामान की घोषणा हो गई। यह बहुत खूब, मप्रशंसनीय बजट। केंद्र सरकार प्रतिवर्ष बजट प्रस्तुत करती है लेकिन लगता है उसका बाजार पर नियंत्रण नहीं है जो सामान सस्ता करने की घोषणा वह करती है उसका नागरिकों के द्वारा इंतजार इस बात के लिए रहता है कि अगला वर्ष आ जाता है। डेढ़ सौ करोड़ की आबादी के देश में नेता बताते हैं कि 65% युवा है शिक्षा का प्रतिशत भी बढ गया है युवा भारी महंगी पढाई कर रोजगार की तलाश में जुट जाते हैं लेकिन वह रोजगार ढूंढते थक जाते हैं और थक हार कर वे विदेश में रोजगार को चुनते हैं। कोई पूछते नहीं।धंधे पर ही संतोष कर गुजर बसर करता है।कुछ को।नौकरी मिल जाती है लेकिन अधिकांश बाहर के लिए आकर्षित होते है।सरकार रोजगार के लिए क्या करेगी, कितने युवाओं को इस बजट के बाद रोजगार, नौकरी मिल जाएगी यह कोई भी आज तक नहीं बता पाया।नए रोजगार, स्टार्टअप और ऐसी अन्य योजनाएं युवाओं को सामने रखी है लेकिन वह कौन सा उत्पादन या कारखाना है जिसे युवा हाथों हाथ ले। दिल्ली जैसे स्थान पर प्रतिवर्ष लगने वाले एक्सपो मेले को अधिक से अधिक युवाओं को देखने का अवसर मिले ऐसे प्रयास करने चाहिए। 22 लाख लोगों को रोजगार की बात बजट में बताई गई यह ऊंट के मुंह में जीरे के समान है।

बजट में किसानों के लिए जो कदम उठाए गए हैं वह प्रशंसनीय है परंतु यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि छोटे किसानों के लिए योजना होना चाहिए ताकि वह जल्दी उभर उठ सके। किसानों को क्रेडिट कार्ड पर 300000 से बढ़कर 500000 तक का ऋण और दलहन उत्पादन के किसानों को मदद की बात कही गई जो अच्छी बात है।देश में अधिक उत्पादन करने वाले किसानों को राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत करने की योजना भी बनानी चाहिए जो सरकार से अपेक्षित है। बजट में बताया कि जो 100 नए शहर नई उड़ान योजनाओं से जुड़ेंगे तथा 88 एयरपोर्ट से जुड़ेंगे देश की बढती आबादी के लिए यह जरूरी है। हवाई यात्रा के लिए नए शहरों को जोड़ना अच्छे संकेत है। देश में सबसे बड़ी समस्या नकली दवाइयां, दूध, घी और अन्य कई सामान बिकने से नागरिक परेशान है।केंद्र सरकार के बजट में नकली माल देश में नहीं बिक सकेगा ऐसी घोषणा कभी नहीं की गई जो की आज की आवश्यकता है। अब समय आ गया है कि केंद्र सरकार को इस दिशा में ठोस कदम उठाने होंगे जिससे देश में किसी भी प्रकार का कोई नकली सामान नहीं बिक सके। जब यह चर्चा में सुनते हैं कि पश्चिम के कई देशों में नकली माल मिलता ही नहीं है मतलब वहां के नागरिक निश्चित होकर के अपनी खरीदी बाजार में करते हैं।

विकसित भारत का रोड़मैप है केंद्रीय बजट-उप मुख्यमंत्री

नीमच, 01 फ़रवरी गुरू एक्सप्रेस। उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने कहा है कि केन्द्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत वर्ष 2025-26 का बजट प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के विजन को साकार करने का रोड़मैप है।

उप मुख्यमंत्री श्री देवडा ने कहा कि 12 लाख रूपये तक की सालाना आय पर आयकर न लगाकर एक बड़े वर्ग को राहत दी है। यह प्रधानमंत्री श्री मोदी की सरकार का क्रांतिकारी कदम है। आज प्रस्तुत केंद्रीय बजट पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने कहा कि यह बजट हर नागरिक के सपनों का बजट है। यह पूरी तरह प्रधानमंत्री श्री मोदी जी के ज्ञान के मंत्र पर आधारित बजट है, जो गरीब कल्याण, युवा कल्याण, नारी शक्ति और किसानों की समृद्धि पर केंद्रित है। उन्होंने कहा कि बजट में कई ऐसे अनूठे प्रावधान किए गए हैं, जिससे मध्यप्रदेश जैसे तेजी से आगे बढ़ते राज्य को मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि बजट से विकास की प्रक्रियाओं में तेजी आएगी और समावेशी विकास मजबूत होगा। निजी क्षेत्र को नई ऊर्जा मिलेगी। उप मुख्यमंत्री श्री देवडा ने विशेष पूंजीगत सहायता को 1.50 लाख करोड़ रूपये से निरंतर रखने का स्वागत करते हुए कहा कि इससे मध्यप्रदेश को विशेष लाभ होगा। पूंजीगत सहायता का रचनात्मक उपयोग करने में मध्यप्रदेश का अच्छा प्रदर्शन रहा है।

मध्यम आय और लघु उद्योग को बड़ी राहत दी-सांसद गुप्ता

मंदसौर, 01 फ़रवरी गुरू एक्सप्रेस। सांसद सुधीर गुप्ता ने केंद्र सरकार के शनिवार को पेश हुए बजट को मध्य आए, लघु उद्योग और किसान हितेषी बजट बताया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने आम आदमी के आय को बढ़ाने के लिए इनकम टैक्स में जहां भारी छूट दी है वही किसानों के लिए बड़े पैमाने पर योजनाओं का क्रियान्वयन किया गया है। इसके तहत केंद्र सरकार 100 ऐसे जिले जहां पर उन्नत जमीन होते हुए भी किसान किसी वजह से उन्नत खेती नहीं कर पा रहा है को चिन्हित किया है, जहां पर केंद्रीय कृषि मंत्रालय किसानों को हर संभव कृषि सुविधा मुहैया करवाएगा और उस क्षेत्र के किसानों को उन्नत कृषि के मुख्य धारा से जोड़ेगा। साथ ही एक राष्ट्रीय बीज मिशन की स्थापना की जाएगी जिसमें उच्च क्षमता वाले बीजों को तैयार कर किसानों को उपलब्ध कराए जाएंगे। वहीं केसीसी सुविधाओं को 5 लाख तक बढ़ाया गया है और ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग सेक्टर को बढ़ावा देने के उद्देश्य से डाक विभाग में पेमेंट बैंक की शुरुआत की जाएगी। इससे डाक विभाग के कर्मचारियों के द्वारा एक विशाल लॉजिस्टिक सिस्टम बनाया जाएगा। अनुसूचित जाति व जनजाति के लिए स्टैंड अप स्कीम की योजना की शुरुआत की गई है और इसके लिए जिला केदो पर केयर सेंटर विकसित किए जाएंगे प्राथमिक हेल्थ सेंटर और मिडिल स्कूल को ब्रॉडबैंड से जोड़ा जाएगा। वही मोदी सरकार ने आंगनबाड़ियों के लिए इस बजट में एक बड़ा प्रावधान रखा है जिसके तहत कुपोषित बच्चे एवं गर्भवती महिलाओं के लिए बड़े पैमाने पर पोषण प्रोग्राम की शुरुआत की जाएगे।

केंद्र सरकार का बजट सिर्फ आंकड़ों का लेखा-जोखा है, बेरोजगारी, मंहगाई, किसानों एवं आर्थिक सुधारों के लिए कुछ नहीं किया- डा.तोमर

मंदसौर, 01 फ़रवरी गुरू एक्सप्रेस। केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट को लेकर प्रतिक्रिया देते हुए शहर कांग्रेस कमेटी मन्दसौर अध्यक्ष डॉ राघवेंद्रसिंह तोमर ने बजट को लेकर कहा कि इससे किसी बड़े बदलाव या राहत की उम्मीद नहीं की जा सकती। सरकार केवल आंकड़ों के जरिए बड़े-बड़े दावे पेश किए है लेकिन इसका जनता पर कोई वास्तविक असर नहीं पड़ेगा। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि बजट में आम लोगों की जरूरतों को नजरअंदाज किया जाता है और केवल दिखावटी घोषणाएं की जाती हैं। डॉ तोमर ने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए ठोस और प्रभावी नीतियों की जरूरत है जिससे जनता को वास्तव में फायदा मिल सके। डॉ तोमर ने कहा कि बेरोजगारी के सरकार ने हर साल 2 करोड़ नौकरियां देने का वादा किया था, लेकिन पिछले 10 साल में यह वादा पूरा नहीं हुआ। महंगाई को लेकर कुछ नहीं है, मध्यम वर्ग टैक्स और महंगाई की मार झेल रहा है, लेकिन इस पर कोई बात नहीं हो रही। किसानों की आय के लिए कुछ नहीं है क्योंकि सरकार ने किसानों की आय दोगुनी करने का वादा किया था, लेकिन यह भी अधूरा रह गया।

विकसित भारत निर्माण के पथ पर मिल का पत्थर है यह बजट- दीक्षित

मंदसौर, 01 फ़रवरी गुरू एक्सप्रेस। गरीब, मध्यम वर्ग कि चिंता करने वाला यह बजट यथार्थ में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के समृद्ध भारत के विजन का आधार है। बजट में सभी वर्ग के हितों को संरक्षित किया गया है। केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत इस बजट में गरीब, युवा, अन्नदाता किसान और महिला वर्ग के उत्थान के लिए सरकार के संकल्प को दोहराया है। बजट में हर वर्ग की चिंता कर गरीब, महिला, किसान और नौजवानों को आत्मनिर्भर बनाने के साथ साथ मध्यम वर्ग को राहत पहुंचाते हुए 12 लाख तक की आय पर इनकम टैक्स में छूट दी गई है, वही फसलों की उपज बढ़ाने हेतु प्रधानमंत्री धन-धान्य योजना का शुभारंभ कर किसानों को लाभ पहुंचाकर किसान को समृद्ध बनाने का काम किया गया है।

आयकर की सीमा बढ़ाकर 12 लाख करने से मध्यमवर्गीय लोगों को होगा बड़ा लाभ-चंदवानी

मंदसौर, 01 फ़रवरी गुरू एक्सप्रेस। पीएम एक्सीलेंस ऑफ कॉलेज मंदसौर के जनभागीदारी अध्यक्ष नरेश चंदवानी ने बताया कि भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र जी मोदी के नेतृत्व में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण जी ने जो बजट पेश किया है वो आमजनों, किसानों, विद्यार्थियों, व्यापारियों, नौकरीपेशा, युवाओं सभी के लिए लाभकारी है। बजट की सबसे बडी बात यह रही कि इस बार आयकर की सीमा को बढ़ाकर 12 लाख रूपये कर दिया गया है इससे सीधा लाभ मध्यमवर्गीय परिवारों को होगा। नौकरीपेशा लोगों के लिए 75 हजार के स्टैंडर्ड डिडक्शन के साथ यह छूट 12.75 लाख रुपए हो जाएगी। हर घर जल पहुंचाने के उद्देश्य से जल जीवन मिशन को वर्ष 2028 तक बढ़ाया गया है इसके लिए अतिरिक्त फंड भी दिया गया है। सभी जिला अस्पतालों में डे-केयर कैंसर सेंटर खोले जायेगे वहीं कैंसर की दवाईयां सस्ती की गई इससे सीधा लाभ आमजनों को होगा। शिक्षा के क्षेत्र में विस्तार करते हुए आईआईटी की 6500 सीटें तो वहीं मेडिकल की 75 हजार सीटें बढ़ाई जायेंगी। इससे देश में डॉक्टरों की संख्या बढ़ेगी। आर्टिफिशियल इंटिलिजेन्सी एआई के लिए सेंटर फॉर एक्सीलेंस इन एक आई एजुकेशन बनेगा इसके लिए 500 करोड़ का फंड बजट में दिया गया है जिससे देश आईटी के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन सकेगा। बजट में मोदी सरकार ने किसानों को लाभ देते हुए केसीसी की लिमिट को बढ़ाकर 3 लाख से 5 लाख रूपये की गई जिससे देश के 7 करोड़ किसानों को सीधा लाभ मिलेगा।

आयकर की सीमा को लेकर भ्रम की स्थिति-कुमावत

मंदसौर, 01 फ़रवरी गुरू एक्सप्रेस। जिला कांग्रेस के उपाध्यक्ष सुरेन्द्र कुमावत ने कहा कि केन्द्रीय बजट में आयकर की सीमा को बढ़ाकर 12 लाख करने की बात कही जा रही है लेकिन इसमें भ्रम की स्थिति है बजट में वित्त मंत्री ने कहा कि 12 लाख रुपये पर कोई टैक्स नहीं है। फिर वह कहती हैं कि 8-12 लाख रुपये के लिए 10% का स्लैब है। इसलिए यह बहुत भ्रामक है। बजट में बिहार के लिए काफी कुछ है क्योंकि इस साल बिहार में चुनाव हैं। मध्यप्रदेश का मोदी सरकार के बजट में नाम तक नहीं लिया गया है जबकि यहां से लोकसभा चुनावों में भाजपा ने सभी सीटें जीती थी इसी का ईनाम मोदी सरकार ने दिया है मध्यप्रदेश को विशेष कुछ नहीं देकर। आपने कहा कि केन्द्रीय बजट में श्रमिकों के उत्थान को लेकर भी कुछ नहीं कहा गया है ना ही श्रमिक हितों के लिए कोई विशेष बजट की घोषणा की गई है। श्री कुमावत ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र को गति देने के लिए इंजिनियरिंग और मेडीकल की सीटें बढाई गई है लेकिन जो पूर्व में है यहां की स्थिति भी सुधर नहीं पाई है। कॉलेजों में पढ़ाने वाले शिक्षकों की कमी है इनकी पूर्ति पर कोई ध्यान नहीं दिया गया है।

बजट में सिर्फ बिहार की बात, मप्र को कुछ नहीं -टूटेजा

मंदसौर, 01 फ़रवरी गुरू एक्सप्रेस। मंदसौर जिला कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष मनजीतसिंह टूटेजा ने कहा कि बजट में यह स्पष्ट नहीं हो पाया कि यह बजट भारत सरकार का था या बिहार सरकार का बडे दुख की बात है कि केंद्रीय वित्त मंत्री के पूरे बजटीय भाषण में बिहार के अलावा किसी अन्य राज्य का नाम तक नहीं लिया। विशेषकर मध्यप्रदेश को तो बजट में कुछ नहीं मिला। आयकर में छूट बढ़ाने की बात कही जा रही है। छूट तो ठीक यहां तो महंगाई के कारण आम व्यक्ति का घर चलाना दूभर हो रहा है। महंगाई इस कदर बढ रही है कि कई परिवार अपना लालन पोषण भी ठीक से नहीं कर पा रहे है। बजट में महंगाई पर लगाम लगाने की कोई बात नहीं की गई है। खाद्य वस्तुओं के भाव आसमान छू रहे है लेकिन इन पर नियंत्रण के लिए कुछ नहीं किया गया है। भाजपा की कैन्द्रीय सरकार ने हमेशा की तरह सिर्फ आंकडों पर आधारित बजट पेश किया सच्चाई इससे कौसो दूर है।

यह बजट आत्मनिर्भर और समृद्ध भारत की दिशा में ऐतिहासिक एवं युगांतकारी कदम-अटोलिया

मंदसौर, 01 फ़रवरी गुरू एक्सप्रेस। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष नानालाल अटोलिया ने बजट का स्वागत करते हुए अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि टैक्स स्लेव में बड़ा बदलाव करते हुवे वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण मैं मध्यम वर्गीय परिवार को लाभ देते हुए 12 लाख तक की आय को टैक्स फ्री कर दिया।

कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से जुड़ी 36 दवाइयां पूरी तरह से ड्यूटी फ्री कर बीमारी से पीड़ित परिवारों को राहत प्रदान की गई। एम यस एम ई सेक्टर को बढ़ावा देने के लिए लोन 5 करोड़ से बढ़ाकर 10 करोड़, स्टार्टअप के लिए लोन 10 करोड़ से बढ़ाकर 20 करोड़ का प्रावधान इस दिशा में क्रांतिकारी कदम है।

अमीरों को खुश करने का बजट-रातड़िया

मंदसौर, 01 फ़रवरी गुरू एक्सप्रेस। जिला कांग्रेस कमेटी मंदसौर के पूर्व अध्यक्ष श्री प्रकाश रातडिया ने कहा है कि बजट केवल ओपचारिक व लोक लुभावन है.किसानो की आय दुगुनी करने की बात करने वाली भाजपा सरकार ने इस दिशा में कोई प्रावधान इस बजट में नही कियाहै.युवाओं को रोजगार देने के लिए कोई नीतिगत संकल्प इस बजट में नही है.महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार योजना मनरेगा के लिए पर्याप्त राशी की व्यवस्था नही की गई है.शिक्षा, चिकित्सा, ग्रामीण विकास, पंचायती राज संस्थाओं के लिए कोई राहत का संकेत बजट में नही है.महंगाई से त्रस्त जनता व गृहणियो कोई राहत नही दी गई है. यह बजट अमीरों को खुश करने का बजट है.

बजट में सभी वर्गो के विकास का रखा गया ध्यान-पाटीदार

मंदसौर, 01 फ़रवरी गुरू एक्सप्रेस। भाजपा पीछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश मंत्री धीरज पाटीदार ने बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मोदी सरकार के 3.0 के प्रथम बजट में हर वर्ग का ध्यान रखा गया है। सबसे स्वागत योग्य बात यह है कि आयकर की सीमा को बढ़ाकर 12 लाख रूपयें कर दिया गया इससे मध्यमवर्गीय परिवारों को बडी राहत मिलेगी। शिक्षा के क्षेत्र में इस बजट में बहुत कुछ दिया है आईटी और मेडीकल दोनों क्षेत्रों में भारत आत्मनिर्भरता की ओर बढ रहा है यह बेहद सुखद अनुभव वाली बात है। श्री पाटीदार ने कहा कि यह बजट विकसित भारत और प्रधानमंत्री के नए और ऊर्जावान भारत के सपने को पूरा करने के संकल्प के लिए है। हर क्षेत्र की प्रॉपर स्टडी करने के बाद नया मैप तैयार किया गया है। यह एक पूर्ण बजट है जो भारत विकास और आत्मनिर्भर के क्षेत्र में आगे ले जाएगा। कैसर जैसी घातक बिमारी का बजट में ध्यान रखा गया है डे केयर सेंन्टर के साथ कैंसर की दवाओं को सस्ता किया गया है यह एक बडी बात है। इस शानदार बजट के लिए मैं देश के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय नरेन्द्र जी मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण जी को बधाई और धन्यवाद देता हूं।

घुमंतू परिवारों को कंबल वितरीत किए

मंदसौर, 01 फ़रवरी गुरू एक्सप्रेस। समाजसेवी संस्था अर्पण हैदराबाद आंध्र प्रदेश द्वारा भेजे गए कंबल रठाना प्राइमरी, मिडिल एवं हायर सेकेंडरी स्कूल में अध्ययन करने वाले घुमंतु एव वंचित समाज के बच्चों के परिवारों को कंबल वितरित किए। मुख्य वक्ता प्रवासी समुदाय घुमंतू कार्य मालवा प्रांत के प्रांत प्रमुख श्री रवि प्रतापसिंह बुंदेला ने सभी को संबोधित किया। इस अवसर पर देवीलाल सुनार्थी, श्री राधेश्याम लोहार जिला शिक्षा आयाम, श्री ईश्वरलाल पाटीदार विभाग प्रमुख ग्राम विकास, मंजूनाथ आदि बड़ी संख्या में ग्रामवासी महिला पुरुष उपस्थित थे। यह जानकारी विनोद मेहता ने दी।

रोजगार एवं कृषि उन्नति के लिये ठोस प्रयास नही, शिक्षा एवं स्वास्थ्य की अनदेखी- भाटी

मंदसौर, 01 फ़रवरी गुरू एक्सप्रेस। जिला कांग्रेस प्रभारी महामंत्री एवं प्रवक्ता श्री सुरेश भाटी ने केन्द्रीय बजट पर प्रतिक्रिया देते हुये कहा कि केन्द्र सरकार सिर्फ इन्कर्म टेक्स स्लेब में बदलाव करके अपनी पीठ थपथपा रही है लेकिन आर्थिक रूप से बदहाल हो चुके मध्यमवर्गीय वर्ग के लिये यह प्रयास सिर्फ दिखावा है। देश की आधारभूत आवश्यकता कृषि उन्नति, शिक्षा एवं स्वास्थ्य है लेकिन केन्द्रीय वित मंत्री ने बजट प्रस्तुत करते हुये इनकी अनदेखी की है। लगातार कृषि का लाभ का व्यवसाय बनाने का दावा न केवल झूठा हुआ है बल्कि सरकार इस दिशा में काम नही कर रही है। स्वास्थ्य के लिये सरकार द्वारा जो नये प्रावधान किये गये है उससे चिकित्सा के खर्च से दबे गरिब एवं मध्यमवर्गीय वर्ग को अधिक मदद नही मिलेगी।

मोदी सरकार का बजट ऐतिहासिक, कल्याणकारी बजट है-कियावत

मंदसौर, 01 फ़रवरी गुरू एक्सप्रेस। भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य श्री अनिल कियावत ने मोदी सरकार के वर्ष 2025-26 के बजट को ऐतिहासिक बजट बताया है। बजट पर अपनी राय व्यक्त करते हुए श्री कियावत ने प्रेस वक्तव्य में कहा कि मोदी सरकार का वर्ष 2025-26 का बजट आम आदमी, गरीब, मध्यम वर्ग, महिला, किसान, युवा सभी के लिये कल्याणकारी बजट है। यह बजट देश के विकास के लिये कल्याणकारी होने के साथ ही देश के विकास में मील का पत्थर साबित होगा। श्री कियावत ने कहा कि मोदी सरकार का यह बजट जन कल्याणकारी सर्वस्पर्शी है। किसान कार्ड की लिमिट 3 लाख रू. से बढ़ाकर 5 लाख की गई है। किसानों के लिये प्रधानमंत्री धन धान्य योजना आ रही है। ऐसे ऐतिहासिक कदमों से किसानों को अवश्य ही मदद मिलेगी। केन्द्र सरकार ने कौशल उन्नयन पर विशेष ध्यान देते हुए 2014 के बाद प्रारंभ किये गये कौशल उन्नयन केन्द्रों को वैश्विक स्तर पर उन्नत करने का जो निर्णय लिया है उसमें मेक ऑफ इंडिया मेक फार वर्ल्ड के भावना के अनुरूप कौशल विकास को प्रोत्साहन मिलेगा और देश के युवा वैश्विक स्तर पर आ रही चुनौतियों का सामना कर पायेंगे।

कार्यालय उपसंचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग, जिला-मंदसौर

क्रमांक-150/प्रक्षेत्र/भंडार/2024-25 मंदसौर, दिनांक-13.01.2025

*** ई-निविदा सूचना ***

संचालनालय पशुपालन मध्यप्रदेश की ओर से शासकीय गिर पशु प्रजनन प्रक्षेत्र गुर्जरबर्डिया पर वर्ष 2025-26 में गेहूं, भूसा क्रय हेतु e-procurement प्रणाली से Portal www.mptenders.gov.in पर ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है।

स.क्रं.	विवरण	धरोहर राशि	निविदा राशि	ऑनलाईन निविदा प्रपत्र क्रय करने की प्रारम्भ दिनांक	निविदा प्रपत्र अपलोड करने का अंतिम दिनांक
JDVSUJJ 01/2025	गेहूं भूसा क्रय हेतु निविदा आमंत्रण	रुपये 50,000/- अक्षरी रुपये पचास हजार मात्र	1000+प्रोसेसिंग फीस	03.02.2025	24.02.2025

1. निविदा संबंधी समस्त जानकारी वेबसाईट पर अथवा कार्यालयीन समय में प्राप्त की जा सकती है।
2. निविदा का अनुमानित मूल्य रु. 10 लाख है।

उपसंचालक

G-22507/24 जीवन है अनमोल, तो क्यों करे यातायात नियमों से खेल। पशुपालन एवं डेयरी विभाग, जिला मंदसौर

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला मंदसौर म.प्र.

E-Mail-modgmman@mp.gov.in

क्रमांक/198/खनिज/2025 मंदसौर, दिनांक-31.01.2025

म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम, 18(1-क) के अंतर्गत उत्खनिपट्टा प्राप्त करने के लिए

//// द्वितीय सूचना ////

यह सूचित किया जाता है कि आवेदक भुवानीलाल गुर्जर पिता रंगलाल गुर्जर निवासी खेड़ाखदान, तहसील मल्हारगढ़ जिला मंदसौर द्वारा क्रेशर मशीन लगाकर गिट्टी बनाने एवं विक्रय के लिए पत्थर खनिज का उत्खनिपट्टा प्राप्त करने हेतु निम्न क्षेत्र पर आनलाईन आवेदन पत्र दिनांक 09.12.2024 को प्रस्तुत किया गया है। इस क्षेत्र पर आवेदन प्रस्तुत करने हेतु प्रथम सूचना 1733/खनिज/2024 मंदसौर दिनांक 17.12.2024 प्रकाशित की गई थी। इस क्षेत्र पर पुनः 20.02.2025 तक इस क्षेत्र पर यथा स्थित उत्खनिपट्टा आवेदन आन लाईन आमंत्रित किये जाते है। आवेदन ई-खनिज पोर्टल https://ekhanij.mp.gov.in पर प्रस्तुत किये जायेंगे।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	खसरा नं.	रकबा	भूमि का प्रकार (शासकीय/निजी)	खनिज का नाम	रिमार्क
मंदसौर	मल्हारगढ़	खेड़ाखदान	234/4	1.500 है.	शासकीय	गिट्टी पत्थर एवं एम.सेंड (क्रेशर आधारित)	---

1. उपरोक्त प्रस्तुत आनलाईन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 20.02.2025 तक कार्यालयीन समय सायं 5.30 बजे तक आनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है। 2. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरान्त आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदकों के आवेदन प्राप्त होते है, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा। 3. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन पत्र प्राप्त होते है तो उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र तथा पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति की अवधि के दौरान प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को मप्र गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा। 4. यदि प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरान्त भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नहीं होता है तो प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत स्वीकृति पर विचार किया जा सकेगा। 5. निर्धारित समयावधि के उपरान्त प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नहीं लिया जाएगा।

प्रभारी अधिकारी

G-22496/24 दुर्घटना से रखनी दूरी है तो हेलमेट सबसे जरूरी है। खनिज शाखा जिला मंदसौर म.प्र.

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्यिा एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 313880, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in